मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
रांची,मंगलवार, 19 मई 2026
संवत 2083, अधिक ज्येष्ठ शुक्ल 3 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 244 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028
सांध्य दैनिक

4 ▸▸ शरीर ही ब्रह्माण्ड : एकत्व का सृजन मार्ग

अफगानिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया का ऐलान आज, बुमराह को मिल सकता है आराम ◂◂ 6

पहाड़ी पर लटका मिला बेंगलुरु में तैनात डीआरडीओ इंजीनियर का शव, इलाके में मचा हड़कंप

संवाददाता

रामगढ़ : जिले के पतरातू थाना क्षेत्र स्थित तालाटांड भूइंया टोली निवासी कमल किशोर महतो (35) का शव मंगलवार सुबह घर के समीप पहाड़ी पर फंदे से झूलता मिला। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

मृतक कमल किशोर महतो, प्रभु महतो के पुत्र थे और भारत सरकार के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), बेंगलुरु में अभियंता के पद पर कार्यरत थे। परिजनों के अनुसार, वह अपनी पत्नी और दो बेटों के साथ 19 अप्रैल को गांव आया था। कमल के पिता प्रभु महतो ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से वह मानसिक तनाव में था और उसे नींद नहीं आने की शिकायत रहती थी। उन्होंने बताया कि बुधवार को इलाज के लिए रांची के एक चिकित्सक से उसका अपॉइंटमेंट भी तय था।

ग्रामीणों के अनुसार, सोमवार रात करीब 11 बजे कमल को घर के बाहर टहलते हुए देखा गया था। देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। मंगलवार सुबह उसका शव पहाड़ी पर फंदे से लटका मिला, जिसके बाद घटना की सूचना पतरातू पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच जारी है।

छऊ नृत्य कार्यक्रम से लौट रहे लड़के और लड़की की बेरहमी से हत्या, इलाके में सनसनी

खूंटी: जिले में एक किशोर लड़के और एक लड़की की कथित तौर पर बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि 16 वर्षीय लड़का और 17 वर्षीय लड़की सोमवार को साइको मार्केट ग्राउंड में आयोजित छाऊ नृत्य कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद वे पास के हादिया मार्केट गए, जहां संभवतः यह हमला हुआ। उन्होंने बताया कि शव हादिया बाजार के पास एक सुनसान इलाके में मिले थे।

सिर और गर्दन पर गंभीर चोटें: एसडीपीओ (खूंटी) वरुण रजक ने कहा, प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि उन पर धारदार हथियार से हमला किया गया था। उनके सिर और गर्दन पर गंभीर चोटें पाई गईं। उन्होंने कहा, जांचकर्ताओं को अभी तक झूठी शान के लिए हत्या या प्रेम प्रसंग से जुड़े विवाद की ओर इशारा करने वाला कोई सबूत नहीं मिला है। रजक ने कहा कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और जल्द ही इसे सुलझा लिया जाएगा।

युवक का शव बरामद, परिजनों ने किया सड़क जाम, पुलिस पर लगाया गंभीर आरोप

धनबाद: सदर थाना क्षेत्र स्थित हीरापुर-चिरागोड़ा श्मशान रोड के समीप मैदान में मंगलवार सुबह एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव की पहचान चिरागोड़ा निवासी 42 वर्षीय राजेश चंद्रवंशी के रूप में हुई है। उनका घर घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर स्थित है। शव मिलने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और परिजन मौके पर जुट गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

घटना से आक्रोशित लोगों ने शव को लेकर रणधीर वर्मा चौक पहुंचकर सड़क जाम कर दिया, जिससे यातायात कुछ समय के लिए बाधित रहा। मृतक के भाई ने बताया कि राजेश हीरापुर हटिया में मोबाइल की दुकान चलाते थे। रविवार रात उनकी मोबाइल पर बातचीत हुई थी, लेकिन इसके बाद उनका फोन स्विच ऑफ हो गया। परिजनों ने रातभर खोजबीन की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका।

परिजनों का आरोप है कि स्थानीय दुकानदारों ने बताया था कि एक व्यक्ति दुकान पर पहुंचकर राजेश को जान से मारने की धमकी देकर गया था। इस सूचना के बाद वे धनबाद थाना पहुंचे, लेकिन वहां मौजूद पुलिसकर्मी ने सुबह 8 बजे आने को कहा। परिजनों का कहना है कि यदि पुलिस समय पर सक्रिय होती तो शायद राजेश की जान बचाई जा सकती थी।

इधर, घटना की सूचना मिलने पर धनबाद विधायक राज सिन्हा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि मामले को लेकर एसएसपी से बात की गई है। यदि किसी पुलिसकर्मी की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों द्वारा आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन दिए जाने के बाद लोगों ने जाम समाप्त किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

वहीं, हत्या मामले में सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने कहा कि धनबाद थाना में रात्रि में तैनात ओडी पुलिस पदाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उसके खिलाफ सस्पेंशन की कार्रवाई की प्रकिया चल रही है।

धनबाद जेल में बंद विचाराधीन कैदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

धनबाद: मंडल कारा में बंद एक विचाराधीन कैदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान 27 वर्षीय जीतन रजवार के रूप में हुई है, जो गोविंदपुर थाना क्षेत्र के संग्रामडीह का रहने वाला था। उसे पत्नी संजोती देवी की हत्या के आरोप में 16 मई को गोविंदपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

धनबाद मंडल कारा के जेलर दिनेश वर्मा ने ईटीवी भारत को बताया कि जेल में जीतन रजवार की पहले भी तबीयत बिगड़ी थी और वह अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा था। इसके बाद उसे तत्काल इलाज के लिए धनबाद सदर अस्पताल भेजा गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उसे वापस जेल लाया गया था।

सोमवार की देर रात बिगड़ गई थी तबीयत: जेलर के अनुसार, सोमवार देर रात जीतन रजवार की तबीयत फिर से खराब हो गई। उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद जेल प्रशासन ने नियमानुसार शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जेल प्रशासन ने बताया कि कैदी की स्वास्थ्य की स्थिति को लेकर जेल के अंदर मेडिकल बोर्ड की बैठक भी की गई थी। जांच के दौरान उसमें मिर्गी जैसी बीमारी के लक्षण पाए गए थे। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

पत्नी की हत्या के आरोप में जेल में था जीतन: दरअसल, 16 मई को जीतन रजवार की पत्नी संजोती का शव घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। संजोती के पिता नरेश रजवार के बयान पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जीतन रजवार को जेल भेज दिया था। जीतन को एक चार साल का बेटा भी है। संजोती की शादी 6 साल पहले जीतन से हुई थी। संजोती बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के अमलाटांड़ की रहने वाली थीं।

सऊदी, कतर और यूएई के कहने पर यूएस ने ईरान पर होने वाला 'महाहमला' टाला, परमाणु हथियार न बनाने की शर्त पर बातचीत जारी

वाशिंगटन: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते की बहुत अच्छी संभावना बन रही है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब उन्होंने ईरान पर प्रस्तावित अमेरिकी सैन्य हमले को अस्थायी रूप से टालने की पुष्टि की है। ट्रंप ने बताया कि यह हमला मंगलवार को होना था, लेकिन सऊदी अरब कतर और संयुक्त अरब अमीरात के नेताओं ने उनसे सैन्य कार्रवाई रोकने का आग्रह किया। इन देशों का कहना था कि तेहरान के साथ गंभीर बातचीत चल रही है और कूटनीति को थोड़ा और समय दिया जाना चाहिए।

ट्रंप ने अपने बयान में कहा, अगर बिना बमबारी के समाधान निकल सकता है तो मुझे बहुत खुशी होगी। हालांकि उन्होंने साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया कि यदि वार्ता विफल होती है तो अमेरिका पूर्ण पैमाने पर बड़े सैन्य हमले के लिए तैयार रहेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका की मुख्य मांग यह है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। वहीं ईरान की ओर से कथित तौर पर एक नया प्रस्ताव भेजा गया है, जिसमें युद्ध समाप्त करने, होर्मुज जलडमरूमध्य में सामान्य आवाजाही बहाल करने और प्रतिबंधों में राहत जैसे मुद्दे शामिल बताए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, खाड़ी देशों को डर है कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच फिर युद्ध भड़कता है तो इसका सीधा असर तेल आपूर्ति, समुद्री व्यापार और क्षेत्रीय सुरक्षा पर पड़ेगा। इसी कारण सऊदी अरब, यूएई और कतर लगातार मध्यस्थता की कोशिश कर रहे हैं।

इस बीच वैश्विक बाजारों पर भी इस घटनाक्रम का असर दिखाई दिया। ट्रंप के बयान के बाद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी गई क्योंकि निवेशकों को उम्मीद जगी कि फिलहाल बड़े युद्ध का खतरा टल सकता है। हालांकि स्थिति अभी भी बेहद नाजुक बनी हुई है। अमेरिकी प्रशासन ने साफ किया है कि सेना को हाई अलर्ट पर रखा गया है और जरूरत पड़ने पर तुरंत कार्रवाई की जा सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल अस्थायी राहत हो सकती है। यदि परमाणु वार्ता में प्रगति नहीं हुई तो मिडिल ईस्ट में तनाव फिर तेजी से बढ़ सकता है, जिसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा बाजारों पर पड़ेगा।

उत्तराखंड में बड़ा हादसा टला, उज्जैनी एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतरे

ऋषिकेश : सोमवार रात ऋषिकेश में खांड गांव विस्थापित क्षेत्र के पास उज्जैनी एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। घटना के बाद रेल प्रशासन की ओर से राहत और बचाव अभियान जारी है। क्रेन की मदद से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए उज्जैनी एक्सप्रेस के तीनों कोच को पटरी से हटाया जा रहा है। हादसे की भयावह तस्वीरें भी सामने आई हैं। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय ट्रेन में कोई सवार नहीं था। रेलवे ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हादसा इतना भीषण था कि एक डिब्बा पूरी तरह पटरी से अलग होकर ट्रैक के बाहर लटक गया। ट्रेन के संचालन को लेकर कई सवाल उठाए जा रहे हैं। सोमवार रात करीब 9:23 बजे

स्टेशन यार्ड में ट्रेन का ट्रैक बदला जा रहा था, तभी यह हादसा हो गया। दुर्घटना के बाद पटरियों पर भारी भीड़ जमा हो गई। जीआरपी के जवानों ने मोर्चा संभाला और लोगों को घटनास्थल से हटाया।

बता दें कि हाल ही में राजस्थान के कोटा में 17 मई की तड़के राजधानी एक्सप्रेस के एक कोच में भीषण आग लग गई थी। गनीमत रही कि उस हादसे में भी कोई घायल नहीं हुआ था। आग राजधानी एक्सप्रेस की एक एसी बोगी में लगी थी, जिसमें 68 यात्री सवार थे। कोटा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ने बयान में कहा था कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच जारी है।

12431 राजधानी एक्सप्रेस शुक्रवार को केरल के तिरुवनंतपुरम से रवाना हुई थी। इसका दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर रविवार दोपहर 12:30 बजे पहुंचने का निर्धारित समय था। इसके अलावा, नामपल्ली रेलवे स्टेशन पर हैदराबाद-जयपुर स्पेशल एक्सप्रेस की दो एसी बोगियों में आग लगने की घटना भी सामने आई थी।

सनकी पति ने पत्नी और 3 मासूम बच्चों को उतारा मौत के घाट, खुद को भी किया लहूलुहान

दरभंगा : बिहार के दरभंगा जिले से एक बेहद खौफनाक और दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक सनकी पति ने हैवानियत की सारी हदें पार करते हुए अपनी ही पत्नी और तीन मासूम बच्चों की बेरहमी से हत्या कर दी है। इस जघन्य हत्याकांड ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है और हर कोई दहशत में है। मंगलवार सुबह पतौर थाना क्षेत्र के चंदनपट्टी में इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया गया। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच हुए एक पारिवारिक विवाद ने इतना भयानक रूप ले लिया कि एक हंसता-खेलता परिवार पल भर में खत्म हो गया।

डंडे और रॉड से पीट-पीटकर ली जान, खुद को भी किया लहूलुहान : आरोपी पति की पहचान बंगाल के दालकोला जिले के कुंडी थाना क्षेत्र निवासी संदीप दास उर्फ बिल्टू दास के रूप में हुई है। वह अपनी 30 वर्षीय पत्नी फूल कुमारी दास और तीन बच्चों- सात साल के हृदय दास, छह साल की संध्या दास और पांच साल के मासूम सोन दास के साथ चंदनपट्टी स्थित एक मुर्गा फार्म में रहता था और मजदूरी करता था। मृत बच्चों के मामा मंगू दास के मुताबिक, मंगलवार तड़के किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था। गुस्से में आगबबूला हुए संदीप ने डंडे और लोहे की रॉड से अपनी पत्नी और तीनों मासूम बच्चों को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। इस दिल दहला देने वाली वारदात को अंजाम देने के बाद सनकी पति ने खुद का भी सिर फाड़ लिया और खुद को गंभीर रूप से घायल कर लिया। फिलहाल उसे भारी सुरक्षा के बीच इलाज के लिए डीएमसीएच में भर्ती कराया गया है।

सार्वजनिक जगहों से हटाए जाएंगे आवारा कुत्ते सुप्रीम कोर्ट ने अपना पुराना आदेश रखा बरकरार

नई दिल्ली : देशभर में आवारा कुत्तों के बढ़ते खौफ और लगातार सामने आ रहे हमलों के बीच आज सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद अहम फैसला सुनाया है। सर्वोच्च अदालत ने आम जनता को राहत देते हुए स्पष्ट कर दिया है कि सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश पहले की तरह ही जारी रहेगा। अदालत के इस कड़े और स्पष्ट रुख से उन लाखों लोगों को एक बड़ी

राहत मिली है, जो आए दिन सड़कों, पार्कों और कॉलोनियों में इन कुत्तों के आतंक के साए में बाहर निकलने को मजबूर थे।

पब्लिक हेल्थ और नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि: मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए इसे सीधे तौर पर पब्लिक हेल्थ (सार्वजनिक स्वास्थ्य) और नागरिकों की सुरक्षा का बेहद गंभीर मुद्दा करार दिया है। अदालत ने अपने फैसले को पढ़ते हुए यह संदेश साफ कर दिया है कि सड़कों पर बेखौफ घूम रहे आवारा कुत्तों के कारण आम लोगों के स्वास्थ्य और जान-माल को जो सीधा खतरा पैदा हो रहा है, उसे किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने माना कि आम नागरिक की सुरक्षा सर्वोपरि है और उससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता। एनिमल वेलफेयर बोर्ड की एसओपी पर मुहर, याचिकाएं खारिज: इस ऐतिहासिक फैसले के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने एनिमल वेलफेयर बोर्ड (पशु कल्याण बोर्ड) द्वारा जारी की गई स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) को सही ठहराते हुए उस पर अपनी अंतिम मुहर लगा दी है। अदालत ने बोर्ड की इस गाइडलाइन और एसओपी के खिलाफ दायर की गई सभी अर्जियों को सिरे से खारिज कर दिया है।

न्यूज IN ब्रीफ

भुलि में विराट छऊ नृत्य का उद्घाटन

मुरी : बीती रात छऊ नृत्य का उद्घाटन मुखिया पुत्र राहुल कुमार ने किया। ग्राम प्रधान काशी नाथ बेदिया ने बताया कि मेला और छऊ नृत्य हमारी संस्कृति धारोहर है। काफी संख्या में स्टाल लगाया गया। मेला को सफल बनाने में अध्यक्ष संजय मंडल भुनेशवर बेदिया ,आनन्द, कुंजु मंडल, मानिक, राजु चमन, प्रकेशवर बेदिया, संजय बेदिया, पिन्टू, अजय व अन्य की सराहनीय भूमिका रही।

नवो कुंज में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मुरी : तुलिन में नौ दिन से चली आ रही नौ कुंज मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। आसपास के गाँव के ग्रामीण पूरे परिवार के साथ राधाकृष्ण मंदिर में अखंड नौ दिन का भजन कीर्तन सुनने आए। मंदिरों में माथा टेक कर परिवार की समृद्धि की आशीर्वाद लिया। भजन मंडली टीम ढोल, झाल, बांसुरी के धुन से पूरे क्षेत्र में दूर- दूर तक सुनाई पड़ती है। जो रात्रि में काफी कर्ण प्रिय लगता है। रात्रि जागरण के बाद कार्यक्रम का समापन होगा।

मंरी रेलवे स्टेशन पर पेयजल सेवा शुरू

मुरी: बिरसा मुंडा और सरोजिनी नायडू मुरी ग्रुप की ओर से पेय जल सेवा शुरू की गयी। जिसका उदघाटन डॉक्टर जे. कच्छप और हेल्थ इंस्पेक्टर अभिषेक वर्मन द्वारा किया गया। सुबह से शाम तक आने जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए भारत स्काउट गाइड के लड़के- लडकियों द्वारा सहयोग किया जा रहा है। जिसमें स्काउट एवं गाइड ग्रुप मुरी के ग्रुप लीडर मुजफ्फर अली, रोवर लीडर मो मजहर खान, रेंजर लीडर सरिता कुमारी, गाइड कैप्टन पूजा शर्मा, रोवर में - माशूक आलम, रुद्र रजवार, इनायत हुसैन, स्काउट राहुल, रेंजर में - ममता रजवार, शबनम परवीन, नंदनी रजवार, चांदनी कुमारी उपस्थित थे।

चार बच्चों पर दो शिक्षिका,कहीं सौ बच्चों पर मात्र दो शिक्षक

चतरा : जिले के सिमरिया प्रखंड क्षेत्र के मंझली टांड़ के उत्क्रमित मध्य विद्यालय मंझली टांड़ के विद्यालय में मात्र चार बच्चे शिक्षा पा रहे है। और मात्र चार बच्चों पर दो शिक्षिका मौजूद हैं। शिक्षिका को पूछने पर बताई कि हमारे स्कूल में मात्र चार हीं बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं और मात्र चार का हीं नामांकन है। जबकि विद्यालय बहुत बड़ा है। कई कमरे हैं। जिसमें रसोइया के लिए चुनाव किया गया है और मिडमिल के लिए अध्यक्ष का चुनाव किया गया है महज चार बच्चे में। इस तरह एक शिक्षिका पर दो बच्चे पढ़ते हैं पढ़ाई के लिए तो ऐसे में आप समझ सकते हैं कि हाल स्कूल का क्या होगा।रसोइया मात्र चार बच्चों का खाना घर बना कर खिला देती है ।इस तरह सरकारी रुपयों का दोहन किया जा रहा है। दूसरी ओर किसी विद्यालय में सौ से दो सौ बच्चे हैं किंतु शिक्षक के अभाव में मात्र दो या तीन शिक्षक हैं जिससे पठन पाठन का क्या हाल होगा यह भली भांति समझा जा सकता है। इस तरह कई विद्यालयों में पढ़ाई के नाम पर केवल खाना पूर्ति किया जा रहा है चुकी सरकारी विद्यालय है और मात्र गरीब के बच्चे हीं पढ़ते है। शिक्षिका का कहना है कि हमारा विद्यालय को किसी दूसरे विद्यालय में मर्ज किया जाता तो अच्छा था। चुकी यहां गांव की आबादी नहीं है और बच्चों की संख्या नहीं है। जबकि उक्त विद्यालय पर प्रति माह लाखों का सरकारी खर्च किया जा रहा है और नतीजा सिफर है। इस तरह गरीब के बच्चों के साथ एक तरह से मजाक बनाया जा रहा है। ऐसे बच्चे का भविष्य का कोई ठहराव नहीं होता है। जिसका नतीजा है कि पढ़ाई तो की है परंतु पढ़ना और लिखना नहीं जानता हीं मात्र सर्टिफिकेट हीं नाव का सहारा होता है।

घाघीडीह केंद्रीय कारा में लगी जेल अदालत और मेडिकल कैंप

जमशेदपुर : जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) की ओर से रविवार को घाघीडीह केंद्रीय कारा में जेल अदालत का आयोजन किया गया। इसके साथ ही कैदियों के बीच कानूनी जागरूकता कार्यक्रम और मेडिकल कैंप भी लगाया गया। कार्यक्रम में न्यायिक पदाधिकारियों ने कैदियों की समस्याएं सुनीं और उन्हें कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। जेल अदालत में व्यवहार न्यायालय के एसीजेएम अजय कुमार गुड़िया, डालसा सचिव कुमार सौरभ त्रिपाठी, लीगल एड काउंसिल के चीफ विदेश सिन्हा तथा सहायक सदस्य राजेश श्रीवास्तव उपस्थित रहे। इस दौरान कुल दो मामलों की सुनवाई की गई, लेकिन दोनों मामलों में समझौता नहीं हो सका और किसी भी केस का निष्पादन नहीं हो पाया।कार्यक्रम के दौरान न्यायिक पदाधिकारियों ने कैदियों के रहन-सहन, खानपान और अन्य समस्याओं की जानकारी ली। वहीं, कानूनी जागरूकता कार्यक्रम में बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता, उनके अधिकारों और न्यायिक प्रक्रिया से संबंधित जानकारी दी गई।

दो किलो 900 ग्राम अफीम और 169 किलोग्राम डोडा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

बरामद अफीम व डोडा का अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य लगभग 20 लाख

संवाददाता

चतरा : मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चतरा के नव पदस्थापित तेजतर्रार एसपी अनिमेष नैथानी लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। इनकी पदस्थापना के बाद से लगातार अफीम तस्करों की खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई हो रही है। बीते 18 मई को चतरा पुलिस ने दो अलग अलग कार्रवाई में 20 लाख रु मूल्य का अफीम एवं डोडा बरामद किया है। आज जिला मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बिहार की सीमा पर अवस्थित हंटरगंज थाना क्षेत्र के गोसाईडीह के पास एक संदिग्ध व्यक्ति टेम्पू में सवार होकर काले रंग के बैग के साथ बिहार के गयाजी की ओर जा रहा है। सूचना के पश्चात चतरा के एसडीपीओ संदीप सुमन के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक को हिरासत में ले लिया। एसपी श्री नैथानी ने बताया कि युवक के बैग से 2 किलो 900 ग्राम अवैध अफीम बरामद किया गया। बरामद अफीम का मूल्य अंतरराष्ट्रीय बाजार में 15 लाख रु है। बताया कि गिरफ्तार तस्कर चतरा सदर थाना क्षेत्र के सिकीद गांव का अनिल कुमार यादव है। इस संबंध में हंटरगंज थाना कांड संख्या सं-77/2026, दिनांक 18.05.2026, धारा-18 (सी)/22/27 (ए)/28/29 एनडीपीएस एक्ट दर्ज की गई है। वहीं एक अन्य मामले में पुलिस ने लावालौंग थाना क्षेत्र के कोलकोले गांव के पास एक जायलो वाहन से 169 किलो 980 ग्राम अफीम डोडा बरामद किया है। इस आशय की जानकारी देते हुए सिमरिया अनुमंडल के एसडीपीओ शुभम भाऊ साहेब ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि लावालौंग की तरफ जाने वाले रास्ते में एक महिन्द्रा जायलो गाड़ी पर अवैध डोडा लेकर जा रहा है। सूचना का सत्यापन एवं कार्रवाई हेतु एक छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम- कोलकोले मे चेकिंग लगाया गया। चेकिंग के दौरान ग्राम- भुसाड़ की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार महिन्द्रा जायलो गाड़ी को रुकने का इशारा किया गया परंतु उक्त वाहन के चालक द्वारा वाहन को लेकर भाग निकला जिसका पिछा किया गया, पिछा करने के क्रम में उक्त महिन्द्रा जायलो वाहन ग्राम- सोहावन के जंगल में फंस गया तब उक्त वाहन के चालक द्वारा महिन्द्रा गाड़ी को छोड़कर भागने में सफल रहा। उक्त महिन्द्रा गाड़ी से 08 बोरा डोडा जप्त किया गया, जिसका वजन करीब 169.980 किलोग्राम है। उन्होंने बताया कि बरामद अफीम डोडा का मुख्य लगभग 5 लाख रु है। इस संबंध में लावालौंग थाना कांड सं0- 30/26, दि0- 18.05.2026 धारा- 15 (सी)/18 (बी) एनडीपीएस एक्ट दर्ज किया गया है।

बरुरा पंचायत के फगुआ गांव का मामला

निजी उपयोग में हो रहा नल-जल योजना का उपयोग, ग्रामीणों में आक्रोश

संवाददाता

चतरा : जिले के प्रतापपुर प्रखंड अंतर्गत बरुरा पंचायत के फगुआ गांव में सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना पर कुछ लोगों द्वारा निजी कब्जा करने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में लगाए गए जलापूर्ति कनेक्शन को काटकर कुछ लोगों ने अपने निजी उपयोग के लिए अलग कनेक्शन जोड़ लिया है, जिसके कारण दर्जनों घरों में पानी की आपूर्ति ठप हो गई है। भीषण गर्मी में पानी की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों में इसे लेकर भारी नाराजगी है।
ग्रामीणों ने बताया कि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से गांव में सोलर प्लेट आधारित नल-जल योजना संचालित की जा रही थी। इस योजना से करीब 20 से 25 घरों के लोगों को नियमित रूप से पानी मिल रहा था और ग्रामीणों की प्यास बुझ रही थी। लेकिन हाल के दिनों में कुछ लोगों द्वारा मुख्य पाइप लाइन से छेड़छाड़ कर निजी कनेक्शन जोड़ लिया गया। इसके बाद अन्य घरों तक पानी पहुंचना बंद हो गया।
ग्रामीणों का कहना है कि एक व्यक्ति या परिवार की मनमानी के कारण पूरे गांव के लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। सुबह से शाम तक लोग पानी के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं। महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है। ग्रामीणों ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए इसकी शिकायत पंचायत के मुखिया मनीष सिंह से की है।
मामले को गंभीरता से लेते हुए मुखिया मनीष सिंह ने कहा कि नल-जल योजना सरकार की सार्वजनिक योजना है और इसका लाभ गांव के सभी लोगों को मिलना चाहिए, न कि किसी एक व्यक्ति को। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी। यदि शिकायत सही पाई जाती है तो विभाग को लिखित आवेदन देकर दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई कराई जाएगी।
ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर जलापूर्ति बहाल कराने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि गांव के लोगों को इस भीषण गर्मी में पानी के संकट से राहत मिल सके।

कांग्रेस के इंटक जिला अध्यक्ष बने राजवीर, बधाइयों का तांता

संवाददाता

चतरा : भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) के जिला अध्यक्ष पद पर राज वीर की नियुक्ति होने पर जिले भर में खुशी का माहौल है। उनके समर्थकों, सहयोगियों एवं विभिन्न सामाजिक-राजनीतिक संगठनों के लोगों ने फोन, सोशल मीडिया एवं व्यक्तिगत रूप से बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर इंटक प्रदेश अध्यक्ष सैयद सिराज अब्बास रिजवी, इंटक महासचिव मो. अली, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार दुबे, जिला उपाध्यक्ष ओम प्रकाश पाठक, युवा जिला अध्यक्ष सुमित कुमार, युवा जिला उपाध्यक्ष धीरज अम्बेडकर, गौतम पासवान, सचिन पासवान, छात्र संगठन जिला अध्यक्ष हर्षित चित्रांश, अरशद अंसारी, मनोज सिंह, अंशित जायसवाल, सत्यम भारद्वाज, अमर कुमार वर्मा, आनंद भारती सहित अन्य लोगों ने राज वीर को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।बधाई देने वालों ने विश्वास जताया कि राज वीर के नेतृत्व में इंटक संगठन चतरा जिले में और अधिक मजबूत होगा तथा मजदूरों एवं आम लोगों की आवाज को मजबूती के साथ उठाया जाएगा।
राज वीर ने सभी वरिष्ठ नेताओं, साथियों एवं शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निभाने का प्रयास करेंगे तथा मजदूर हित एवं संगठन की मजबूती के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

मयूरहंड के थाना प्रभारी बने राहुल दुबे, संभाला पदभार

संवाददाता

चतरा : जिले के मयूरहंड थाना में रविवार को नए थाना प्रभारी के रूप में राहुल कुमार दुबे ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालते ही उन्होंने क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और बेहतर पुलिसिंग का भरोसा दिलाया है। आपको बताते चलें कि थाना प्रभारी राहुल दुबे इससे पहले सिमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत शिला ओपी थाना में प्रभारी के पद पर कार्यरत थे। अपने कार्यकाल में उन्होंने कई महत्वपूर्ण मामलों का सफल निष्पादन कर चुके हैं। इसके अलावे वे टंडवा थाना क्षेत्र में भी सेवाएं दे चुके हैं।थाना प्रभारी राहुल दुबे ने पदभार ग्रहण करने के बाद कहा कि उनकी प्राथमिकता क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाना है। आम जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर पुलिस- पब्लिक के बीच भरोसा को प्रगाढ़ करना मेरा लक्ष्य है।राहुल दुबे साफ छवि, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं। उनकी नियुक्ति से क्षेत्रवासियों में अपराध नियंत्रण और बेहतर पुलिसिंग को लेकर नई उम्मीद की किरण जगी है। स्थानीय लोगों ने उनकी कार्यशैली पर भरोसा जताते हुए इनका स्वागत गुलदस्ता देकर किया गया है।

चड़क मेला का तेल हल्दिया के साथ समापन

पटमदा : बोड़ाम के पेनादा गांव में आयोजित तीन दिवसीय पारंपरिक चड़क मेला सोमवार को तेल हल्दिया कार्यक्रम के साथ संपन्न हो गया। मेले की शुरूआत शनिवार को जांगाल कार्यक्रम एवं भगवान शिव की आराधना के साथ हुई। रविवार रात 11 बजे भव्य छऊ नृत्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें मानभूम छऊ नृत्य समिति, रघुनाथपुर (उस्ताद कार्तिक कर्मकार) तथा माझीहिड़ा यूनिवर्सल छऊ नृत्य एकेडमी (उस्ताद तपन कुमार महतो) के कलाकारों ने प्रस्तुति दी। पारंपरिक वेशभूषा, आकर्षक मुखौटे और दमदार नृत्य शैली ने हजारों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

आजादी के 78 साल बाद चतरा का रेल सपना हुआ सच

परैया-चतरा नई रेल लाइन को केंद्र की हरी झंडी

सांसद कालीचरण सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी ऐतिहासिक सौगात

संवाददाता

चतरा : चतरा लोकसभा क्षेत्र का चतरा इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया है। आजादी के 78 वर्षों के लंबे इंतजार और दशकों पुरानी जन-आकांक्षाओं को पूरा करते हुए केंद्र सरकार ने परैया (बिहार) से चतरा शहर के बीच नई ब्रॉडगेज रेल लाइन परियोजना को 'विशेष रेल परियोजना' के रूप में अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है। भारत सरकार के राजपत्र में इस संबंध में अधिसूचना जारी होने के बाद चतरा के सांसद कालीचरण सिंह ने एक भव्य प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। उन्होंने इस उपलब्धि को चतरा के इतिहास का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट बताते हुए क्षेत्र की सवा करोड़ जनता को यह बड़ी सौगात समर्पित की।
संसद से धरातल तक रंग लाई मेहनतः सांसद
प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए भावुक और उत्साहित दिखे सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि चतरा जिला अब तक रेल सेवा से पूरी तरह अछूता था, जो यहां के पिछड़ेपन और युवाओं के पलायन का सबसे बड़ा कारण था। उन्होंने कहाः
₹चुनाव के समय मैंने चतरा की जनता से जो वादा किया था, उसे पूरा करने के लिए मैं पहले दिन से प्रयासरत था। संसद के पटल पर इस मांग को पूरी मजबूती से उठाने और लगातार केंद्रीय रेल मंत्रालय से पैरवी करने का परिणाम आज सबके सामने है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता और केंद्रीय रेल मंत्री के विशेष सहयोग के बिना यह भगीरथ प्रयास सफल नहीं हो पाता। पूरा चतरा संसदीय क्षेत्र इसके लिए केंद्र सरकार का ऋणी रहेगा।
कैसा होगा रूट और क्या है 'वाई कनेक्शन प्लान?'
सांसद ने परियोजना के तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी देते हुए बताया कि यह रेल लाइन सीधे तौर पर बिहार और झारखंड के इस पिछड़े इलाके को देश के मुख्य रेल नेटवर्क से जोड़ेगी।
मुख्य रूटः यह नई ब्रॉडगेज लाइन गया के समीप स्थित परैया स्टेशन से शुरू होकर सीधे चतरा शहर तक आएगी।
परैया बनेगा बड़ा जंक्शनः परियोजना के तहत काष्ठा की ओर 4.95 किलोमीटर का एक 'वाई कनेक्शन प्लान' दिया जाएगा। इस तकनीकी बदलाव के कारण परैया स्टेशन एक बड़े और महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन के रूप में तब्दील हो जाएगा, जिससे ट्रेनों के परिचालन में आसानी होगी।
आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चरः इस रूट पर अत्याधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम, पुल-पुलियों का निर्माण और यात्रियों की सुविधा के लिए विश्वस्तरीय स्टेशनों का खाका तैयार किया गया है।
विकास के खुलेंगे नए द्वारः कोयला, कृषि और रोजगार को मिलेगी रफ्तार
इस रेल लाइन के निर्माण से न केवल आम यात्रियों को सुगम और सस्ती परिवहन सुविधा मिलेगी, बल्कि यह क्षेत्र के आर्थिक भूगोल को भी बदल कर रख देगा।
औद्योगिक लाभः सीसीएल के मगध-आम्रपाली और संघमित्रा जैसे बड़े कोयला क्षेत्रों से कोल परिवहन काफी आसान हो जाएगा। इससे सड़कों पर भारी वाहनों का दबाव कम होगा और प्रदूषण से राहत मिलेगी।
व्यापार और कृषिः चतरा और आसपास के इलाकों के पत्थरों (माइनिंग), स्थानीय कृषि उत्पादों और वनोपज को सीधे देश की बड़ी मंडियों तक पहुंचाया जा सकेगा, जिससे स्थानीय किसानों और व्यापारियों की आय दोगुनी होगी।
रोजगार सृजनः रेलवे स्टेशन बनने और ट्रेनों के परिचालन से स्थानीय स्तर पर हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे, जिससे युवाओं का पलायन थमेगा।
चतरा जिले में जश्न का माहौल, हर तरफ उत्साहः केंद्र सरकार के राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित होने की खबर जैसे ही चतरा पहुंची, पूरे जिले में उत्सव का माहौल बन गया। विभिन्न सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने सांसद कालीचरण सिंह का आभार जताते हुए मिठाई बांटी और पटाखे फोड़े। लोगों का कहना है कि इस रेल लाइन के आने से चतरा में शिक्षा, स्वास्थ्य और विशेष रूप से पर्यटन (जैसे मां भद्रकाली मंदिर, इटखोरी और लावालौंग अभयारण्य) के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आएगा और यह जिला विकास की मुख्यधारा में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

राष्ट्रीय मंच पर चमका रांची प्रशासन, डीसी मंजूनाथ भजन्त्री को मिली बड़ी पहचान

गुलाम शाहिद

रांची : झारखंड की राजधानी रांची एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में है। इसका कारण हैं रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री, जिन्हें फेम इंडिया मैगजीन और एशिया पोस्ट द्वारा जारी ह्लश्रेष्ठ जिलाधिकारी-2026ह्व सर्वेक्षण में देश के सबसे चर्चित और प्रभावशाली जिलाधिकारियों की सूची में शामिल किया गया है। इस सूची में देशभर के करीब 100 जिलाधिकारियों को स्थान मिला है। यह उपलब्धि केवल एक व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि पूरे रांची और झारखंड के लिए गर्व का विषय है। पिछले कुछ वर्षों में रांची प्रशासन ने जिस सक्रियता और संवेदनशीलता के साथ कार्य किया है, उसका असर अब राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई देने लगा है।

मंजूनाथ भजन्त्री अपनी प्रशासनिक कार्यशैली, अनुशासन और जनसरोकारों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने जिले में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान और प्रशासनिक पारदर्शिता पर उनका विशेष जोर रहा है।

रांची में कई ऐसी पहलें देखने को मिलीं, जिनका उद्देश्य प्रशासन को आम जनता के करीब लाना रहा। डिजिटल मॉनिटरिंग, शिकायतों के त्वरित निष्पादन और सरकारी योजनाओं की जमीनी निगरानी के कारण जिले में कार्य संस्कृति में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला। यही कारण है कि रांची प्रशासन की कार्यप्रणाली को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी जिले का विकास केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन से होता है। इस दिशा में रांची प्रशासन ने बेहतर उदाहरण प्रस्तुत किया है। फेम इंडिया और एशिया पोस्ट की सूची में शामिल होना इस बात का संकेत है कि जिले में किए गए कार्यों को देशभर में गंभीरता से देखा जा रहा है।इस सम्मान के बाद जिले के अधिकारियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों में खुशी का माहौल है। लोगों का कहना है कि यह उपलब्धि युवा अधिकारियों और प्रशासनिक सेवाओं में आने वाले विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगी। रांची उपायुक्त की यह उपलब्धि साबित करती है कि ईमानदार प्रयास, बेहतर नेतृत्व और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता से किसी भी जिले को राष्ट्रीय पहचान दिलाई जा सकती है।

पांच दिन में महंगाई का दूसरा बड़ा झटका, फिर बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

संवाददाता

नई दिल्ली: हिंदुस्तान की जनता को पांच दिन में महंगाई का दूसरा बड़ा झटका लगा है। तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम में फिर बढ़ोतरी कर दी है। इस बार इनकी कीमत करीब 90 पैसे प्रति लीटर बढ़ाई गई है। नई कीमतें मंगलवार से लागू हो गई हैं। तेल की कीमतों में एक के बाद एक बढ़ोतरी से फिर 2022 वाला दौर लौटता दिख रहा है। उस समय हर 15 दिन बाद तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिलता था। बता दें की मध्य एशिया में जारी तनातनी का सारा असर अब आम जनता पर पड़ता दिख रहा है। पांच दिन में लगातार दूसरी बार पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों से अब आम जरूरत की चीजों पर भी महंगाई का असर देखने को मिलेगा।

नई दरें लागू होने के बाद रांची समेत झारखंड के कई जिलों में पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसका सीधा असर आम लोगों के घरेलू बजट पर पड़ रहा है। वाहन चालकों, व्यापारियों और परिवहन क्षेत्र से जुड़े लोगों ने कहा कि लगातार बढ़ती कीमतों से रोजमर्रा का खर्च संभालना मुश्किल हो रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ईंधन की कीमत बढ़ने से परिवहन लागत में इजाफा होगा, जिसका असर खाद्य सामग्री और अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ सकता है। इससे महंगाई और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने सरकार से पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर नियंत्रण करने और आम जनता को राहत देने की मांग की है। वहीं विपक्षी दलों ने भी बढ़ती महंगाई को लेकर सरकार पर निशाना साधा है।

वर्ष 2022 के बाद करीब चार साल बाद देश में मिडिल ईस्ट टेंशन और होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से गहराए तेल संकट के बीच पहली बार बीते सप्ताह पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े थे और इनमें 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। हालांकि, तमाम एक्सपर्ट्स ने अनुमान जाहिर किया था कि कच्चे तेल की कीमतों में ताबड़तोड़ इजाफे के चलते ऑयल कंपनियों को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए ये बढ़ोतरी पर्याप्त नहीं है और आगे भीदेखने को मिल सकता है। अब हुआ भी ऐसा ही है और सिर्फ पांच दिन में दूसरी बार पेट्रोल-डीजल 90 पैसे प्रति लीटर महंगा कर दिया गया है।

डुप्लीकेट मोटर ऑयल मामला

गिरफ्तारी रोकने के पक्ष में हो तो आरोपी को दी जा सकती है अग्रिम जमानत

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड हाईकोर्ट ने एक आरोपी की अग्रिम बेल पर सुनवाई करते हुए कहा है कि अगर परिस्थितियां और रिकॉर्ड गिरफ्तारी रोकने के पक्ष में हो तो आरोपी को अग्रिम जमानत दी जा सकती है। अदालत ने डुप्लीकेट मोटर ऑयल रखने के आरोप से जुड़े मामले में यह टिप्पणी करते हुए आरोपी को राहत प्रदान की।

दरअसल झारखंड हाईकोर्ट के न्यायधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में गढ़वा जिले के ऑटोमोबाइल दुकान संचालक रविंद्र कुमार कश्यप की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। आरोपी के खिलाफ कॉपीराइट अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था।

क्या कहना है याचिकाकर्ता का : याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि वह एक ऑटोमोबाइल दुकान चलाते हैं और संबंधित मोटर ऑयल उन्होंने सामान्य व्यापारिक प्रक्रिया के तहत एक डीलर से खरीदा था। उन्होंने कहा कि किसी को धोखा देने का उनका कोई इरादा नहीं था और उनका कोई आपराधिक इतिहास भी नहीं है। वहीं राज्य सरकार ने अग्रिम जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी की दुकान से कथित तौर पर नकली कैस्ट्रॉल मोटर ऑयल बरामद हुआ है जिससे आरोपों की पुष्टि होती है और जमानत नहीं दी जानी चाहिए।

आरोपी से हिरासत में पूछताछ की जरूरत नहीं: कोर्ट

हालांकि अदालत ने माना कि मामले में आरोपी से हिरासत में पूछताछ की जरूरत नहीं है। इसी आधार पर कोर्ट ने उसे अग्रिम जमानत देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने नकली केस्टरोल मोबिल बेचने के आरोपी रविंद्र को 25 हजार रुपये के दो निजी मुचलके भरने की शर्त पर अग्रिम जमानत की सुविधा प्रदान की है। आरोपी की ओर से अधिवक्ता सोनाली भटाचार्य ने बहस की।

वित्तीय गड़बड़ी मामले में सीबाई ने बोकारो पुलिस कार्यालय के अकाउटेंट को रिमांड पर लिया

रांची : वित्तीय अनियमितता और जालसाजी से जुड़े मामले में सीआईडी ने बोकारो पुलिस कार्यालय के अकाउटेंट कौशल पांडे को रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी है. उसे रांची स्थित साइबर थाना लाया गया, जहां डीएसपी नेहा बाला के नेतृत्व में उससे लगातार पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार मामला किसी सामान्य साइबर ठगी का नहीं, बल्कि पुलिस विभाग से जुड़े वित्तीय घोटाले का है. जांच में सामने आया है कि एक सेवानिवृत्त हवलदार के नाम का इस्तेमाल कर सरकारी राशि की अवैध निकासी की गई. आरोप है कि ई-कुबेर बिल मैनेजमेंट सिस्टम में मृत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के रिकॉर्ड से छेड़छाड़ कर जन्मतिथि और बैंक खाते की जानकारी बदली गई. इसके जरिए करीब 25 महीनों के दौरान कई बार सरकारी खजाने से राशि निकाली गई। जांच एजेंसियों के अनुसार निकाली गई रकम को आरोपी ने अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में ट्रांसफर किया।

हिनू के पीएचईडी कॉलोनी में जलमीनार से हो रहा पानी का रिसाव, जल्द होगी मरम्मत

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के पीएचईडी कॉलोनी हिनू स्थित जलमीनार से लंबे समय से पानी का रिसाव हो रहा है। रिसाव की वजह से न केवल बड़ी मात्रा में पानी बर्बाद हो रहा है, बल्कि इलाके की पेयजलापूर्ति व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। विभागीय अधिकारियों ने कहा है कि समस्या के समाधान के लिए जल्द मरम्मत कार्य शुरू किया जाएगा। फिलहाल स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए जलमीनार को उसकी पूरी क्षमता तक नहीं भरा जा रहा है, ताकि रिसाव को सीमित किया जा सके और किसी बड़ी तकनीकी समस्या से बचा जा सके।

लंबे समय से हो रहा है रिसाव: स्थानीय लोगों के अनुसार, जलमीनार से काफी समय से लगातार पानी टपक रहा है। कई बार इसकी शिकायत विभाग को दी गई, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। जलमीनार से हो रहे रिसाव के कारण आसपास के इलाकों में जलापूर्ति भी प्रभावित हो रही है। लोगों को नियमित रूप से पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे दैनिक जरूरतों को पूरा करने में परेशानी हो रही है।

मरम्मत के लिए तैयार हुआ प्राक्कलन: विभागीय अधिकारियों ने बताया कि जलमीनार की मरम्मत को लेकर प्राक्कलन तैयार कर रांची नगर निगम को भेज दिया गया है। निगम से स्वीकृति मिलने के बाद निविदा प्रक्रिया पूरी कर मरम्मत कार्य शुरू कराया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, जलमीनार की मरम्मत में लगभग 10 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। तकनीकी प्रक्रिया और निर्माण कार्य पूरा होने में करीब दो से तीन महीने का समय लग सकता है।

पूरी क्षमता से नहीं भरी जा रही टंकी: रिसाव को देखते हुए फिलहाल जलमीनार को पूरी क्षमता के साथ नहीं भरा जा रहा है। विभाग का कहना है कि यदि टंकी को पूरी तरह भरा गया तो रिसाव और बढ़ सकता है, जिससे संरचना को नुकसान पहुंचने का खतरा भी रहेगा। इसी कारण सीमित स्तर पर पानी भरा जा रहा है और उसी के अनुसार जलापूर्ति की जा रही है। विभाग का दावा है कि मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद जलमीनार को पूरी क्षमता के साथ संचालित किया जाएगा।

बिजली कटौती से भी प्रभावित हुई जलापूर्ति: विभागीय अधिकारियों ने बताया

मतदाता सूची, नीट व महंगाई पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कई मुद्दों पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को घेरा. इस दौरान मीडिया चेयरमैन राकेश सिन्हा, महासचिव सूर्यकांत शुक्ला, कार्यालय प्रभारी राजन वर्मा, प्रवक्ता सोनल शांति, कमल ठाकुर और जगदीश साहू भी मौजूद रहे.

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि 30 जून से 29 जुलाई तक चलने वाले विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस पूरी तरह सतर्क है. उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग के जरिए मतदाताओं के नाम हटाने का काम किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि राज्य में 2.64 करोड़ संभावित मतदाता हैं, लेकिन अब तक केवल 1.90 करोड़ की ही मैपिंग हो पाई है, जबकि करीब 70 लाख मतदाता अब भी अनमैप्ड हैं.

उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में गड़बड़ियों को रोकने के लिए कांग्रेस ने राज्यभर में 17,281 बूथ लेवल एजेंट नियुक्त किए हैं. इन एजेंटों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से बाहर न रहे.

विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने ठएएळ परीक्षा में पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि यह युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है और शिक्षा मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए. उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा संचालित करने वाली संस्थाओं में योग्यता के बजाय विचारधारा के आधार पर लोगों की नियुक्ति की जा रही है, जिससे परीक्षाओं की विश्वसनीयता खत्म हो रही है.

प्रदीप यादव ने बढ़ती महंगाई और देश की आर्थिक स्थिति पर भी चिंता जताई. उन्होंने कहा कि पांच दिनों के भीतर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो बार बढ़ोतरी हुई है. साथ ही उन्होंने दावा किया कि रुपया डॉलर के मुकाबले अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है, जिसका सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है.

प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने जाति आधारित जनगणना की मांग भी दोहराई. प्रदीप यादव ने कहा कि यह समाज का एक्स-रे है और इससे पिछड़े और वंचित वर्गों की सही भागीदारी सुनिश्चित होगी. पार्टी ने झारखंड में सरना धर्म कोड की मांग को भी मजबूती से उठाने की बात कही. कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी आगामी चुनाव और जनहित के मुद्दों को लेकर पूरी तरह तैयार है और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी.

तुपुदाना इंडस्ट्रीयल एरिया में गिरगिट ने 40 मिनट तक रोके रखा करीब 50 कारखानों का प्रोडक्शन

इंजीनियर 40 मिनट तक खोजते रहे फॉल्ट

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के तुपुदाना इंडस्ट्रियल एरिया के 80 फैक्ट्रियां को करीब 45 मिनट तक बिजली गुल रही और उत्पादन ठप रहा। बताया गया कि हाई वोल्टेज तारों में फॉल्ट के कारण सोमवार की सुबह में जोरदार स्पार्क और धमाका हुआ। सुबह 10 बजे के करीब जो बिजली गुल हुई, वह सुबह 10.45 में जाकर बहाल हुई। इस दौरान लगभग 80 कारखानों का कामकाज प्रभावित रहा और व्यापारियों को लाखों रुपये के नुकसान का सामना करना पड़ा।घटना डोरंडा डिवीजन अंतर्गत तुपुदाना बिजली सब स्टेशन की है, जहां सुबह करीब 10 बजे कार्टून फीडर अचानक बंद हो गया। शुरूआत में अधिकारियों को

तकनीकी खराबी का अंदेशा हुआ, लेकिन काफी देर तक जांच के बावजूद फाल्ट का पता नहीं चल सका।

गिरगिट फीडर के कांटेक्ट पाइंट पर फंस गई: बाद में पता चला कि एक गिरगिट फीडर के कांटेक्ट पाइंट पर फंस गई थी, जिसके कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। तुपुदाना फीडर बंद होने से पूरे इंडस्ट्रियल एरिया की गतिविधियां रुक गई। प्लास्टिक, पैकेजिंग, कार्टून और अन्य उत्पादन इकाइयों में मशीनें बंद हो गई। कई फैक्ट्रियों में उत्पादन कार्य बीच में रोकना पड़ा। बाद में पता चला कि एक गिरगिट फीडर के कांटेक्ट पाइंट पर फंस गई थी, जिसके कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। तुपुदाना फीडर बंद होने से पूरे इंडस्ट्रियल एरिया की गतिविधियां रुक गई। प्लास्टिक, पैकेजिंग, कार्टून और अन्य उत्पादन इकाइयों में मशीनें बंद हो गई। कई फैक्ट्रियों में उत्पादन कार्य बीच में रोकना पड़ा।

डीजल की कमी के कारण जनरेटर चलाना भी मुश्किल: व्यापारी अजय कुमार ने बताया कि एक गिरगिट ने बिजली विभाग की तैयारियों की पोल खोल दी है। उन्होंने कहा कि तुपुदाना क्षेत्र के उद्योग पूरी तरह बिजली पर निर्भर हैं, क्योंकि डीजल की कमी के कारण जनरेटर चलाना भी मुश्किल हो गया है। ऐसे में थोड़ी देर की बिजली कटौती भी भारी आर्थिक नुकसान का कारण बन रही है। उन्होंने दावा किया कि इस 40 से 50 मिनट की बिजली बाधा से उद्योगों को करीब 40 से 50 लाख रुपये तक का नुकसान हुआ है।

प्लास्टिक उद्योगों को सबसे ज्यादा असर: उद्योगपतियों के अनुसार प्लास्टिक यूनिट्स को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ी। मशीनें बंद होते ही यूनिट का तापमान गिर जाता है और दोबारा उत्पादन शुरू करने के लिए मशीनों को फिर से गर्म करना पड़ता है। इससे समय और लागत दोनों बढ़ जाते हैं।कई कारखानों में तैयार हो रहा माल भी प्रभावित हुआ। छोटे उद्योगों के संचालकों ने कहा कि लगातार इस तरह की घटनाएं होने से उत्पादन लागत बढ़ रही है और समय पर ऑर्डर पूरा करना मुश्किल हो रहा है।

फाल्ट खोजते रहे अधिकारी, बाद में सामने आई वजह: बिजली आपूर्ति बाधित होने के बाद विभागीय अधिकारियों ने फाल्ट तलाशना शुरू किया। लगभग 40 मिनट तक इंजीनियर और तकनीकी कर्मचारी लाइन की जांच करते रहे, लेकिन समस्या पकड़ में नहीं आई। बाद में वरिष्ठ इंजीनियरों को बुलाया गया। जांच के दौरान पाया गया कि कार्टून फीडर के कनेक्टिंग प्वाइंट पर एक गिरगिट फंसी हुई थी। उसके संपर्क में आने से फीडर ट्रिप कर गया था।

सिविल सर्जन का कार्यालय, रामगढ़

विज्ञापन संख्या 67(NUHM) **Walk in Interview** रामगढ़/दिनांक 16.05.2026

रामगढ़ जिलान्तर्गत शहरी क्षेत्र में संचालित किये जा रहे मदर टेरेसा एडवांस्ड हेल्थ क्लीनिकों के लिये Part Time चिकित्सकों की आवश्यकता है। चिकित्सको को सूचीबद्ध करने हेतु Walk In Interview दिनांक 30.05.2026 को अधोहस्ताक्षरी कार्यालय निर्धारित की जाती है। मदर टेरेसा एडवांस्ड हेल्थ क्लीनिक के लिए चिकित्सकों की सेवा प्राप्त करने हेतु आवश्यक अर्हता निम्नांकित है।

क) चिकित्सक (एम0बी0बी0एस0) :-

क्र0 सं0	विवरणी	मदर टेरेसा एडवांस्ड हेल्थ क्लीनिक हेतु आवश्यक अर्हता
1	न्युनतम शैक्षणिक योग्यता	मेडिकल कांउसिल ऑफ इण्डिया से मान्यता प्राप्त किसी भी संस्थान से एम०बी०बी०एस० की डिग्री। झारखण्ड राज्य मेडिकल कांउसिल से पंजीकरण होना अनिवार्य है।
2	उम्र सीमा	अधिकतम 67 वर्ष / सिविल सर्जन के माध्यम से निर्गत मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र के आधार पर अधिकतम 70 वर्ष के चिकित्सकों की सेवा प्राप्त की जा सकती है। मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र की वैद्यता मात्र एक वर्ष के लिए मान्य होगा।
3	मानदेय	रु 1400 (चौदह सौ रुपये मात्र) चार घंटे के लिए (एकल पाली में) प्रति दिन X 26 दिन प्रति माह अधिकतम
4	कार्यावधी	प्रातः 08:00 बजे से 12 बजे मध्यान तक ओ०पी०डी० संचालित होगा एवं गुरुवार को अवकाश होगा।
5	सूचीबद्ध किए गये चिकित्सकों के द्वारा भविष्य में नियमितीकरण हेतु किसी भी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।	

नोट :- मदर टेरेसा एडवांस्ड हेल्थ क्लीनिकों के लिए सूचीबद्ध चिकित्सकों के द्वारा किया जाने वाला कार्य :-

1. कुल रिक्तिया :- क) चिकित्सक (एम0बी0बी0एस0) :- 04 (चार) (बरकाकाना, हेसला, अरगड्डा एवं बोंगाबार)
2. निर्धारित समयावधि में ओ०पी०डी० का संचालन, गैर संचारी रोगों का प्राथमिकी स्क्रीनिंग।
3. अन्य सरकारी / गैर सरकारी स्वास्थ्य संस्थानो के साथ मंतव्य स्थापित करते हुए आवश्यक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना।
4. टीकाकरण सेवायें उपलब्ध कराना, प्रसव पूर्व एवं प्रसवोत्तर सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
5. परिवार नियोजन- परामर्श एवं गर्भ निरोधक सेवायें की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
6. विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित कार्यक्रमों/योजनाओं का प्रतिवेदन ससमय निकटतम शहरी प्राथमिक स्वास्थ केन्द्रों तक उपलब्ध कराना।
7. विभाग के द्वारा दिए गए आदेश / निर्देशो का पालन करना।

इच्छुक चिकित्सा पदाधिकारी दिनांक 30.05.2026 को पूर्वाहन 11.00 बजे शैक्षणिक प्रमाण पत्र के साथ Walk In Interview हेतु अधोहस्ताक्षरी कार्यालय, के सभागार में उपस्थित हो सकते है।

विश्वासभाजन
ह०/-असैनिक शल्य चिकित्सक
सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,रामगढ़

PR 380065 (Health Med Edu and Family Welfare)26-27*D

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

साइकिल सवारी- ईंधन के साथ सेहत की भी फिक्र

वैश्विक ऊर्जा संकट को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर विभिन्न स्तरों पर पेट्रोल-डीजल की खपत में मितव्ययिता के प्रयास शुरू हो गए हैं। जनप्रतिनिधियों के काफिलों में वाहनों की संख्या कम करने से लेकर, कार पूल करने, सरकारी व निजी दफ्तरों में वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देने व साइकिल सवारी जैसे प्रयास भी शुरू हुए हैं। भारत ही नहीं दुनिया भर के शहरों में सडकों पर वाहनों की रेलमपेल ने यातायात की समस्या तो खड़ी की ही है, प्रदूषण की समस्या भी बढ़ी है। जाहिर है वाहनों का हवा में घुलता धुआं लोगों की सेहत के लिए भी बड़ा खतरा बनकर सामने आता रहा है। ऐसे में जब वाहनों की बढ़ती संख्या के आगे सडकें छोटी पड़ती जा रही हों तब वैकल्पिक साधनों में साइकिल की सवारी सबसे मुफीद नजर आती है। चिंता की बात यह है कि गरीबों की सवारी मानते हुए सरकारी स्तर पर साइकिल से आवागमन को बढ़ावा देने के प्रयास मन से कभी हुए ही नहीं। प्रधानमंत्री मोदी पांच देशों की अपनी यात्रा के दौरान नीदरलैंड भी पहुंचे थे। वही नीदरलैंड जहां चाहे कोई आम हो या खास, यथासंभव आवागमन में साइकिल की सवारी पसंद करता है। यहां आम जनता ही नहीं देश के प्रधानमंत्री व दूसरे राजनेता तक साइकिल चलाते नजर आ जाएंगे। सत्तर के दशक के पहले तक नीदरलैंड में भी सडकों पर कारों की भरमार थी। वर्ष 1973 के वैश्विक तेल संकट का मुकाबला करने के लिए साइकिल को बढ़ावा दिया गया और नतीजा यह है कि आज नीदरलैंड में हजारों किलोमीटर लंबे साइकिल ट्रेक हैं। भारत जैसे देश में जहां सडकें साइकिल सवारों के लिए असुरक्षित समझी जा रही हों वहां साइकिल को बढ़ावा देना इतना आसान नहीं लगता। पिछले दिनों मंत्री से लेकर नौकरशाह तक साइकिल से कार्यालय आते-जाते दिखे, लेकिन ऐसा न हो कि यह मात्र दिखावा बन कर रह जाए। सबसे बड़ी परेशानी यह है कि हमारे यहां सडक बनाने की मौजूदा अवधारणा में न तो पैदल चलने वालों की चिंता की जाती है और न ही साइकिल जैसे सर्वसुलभ साधन से आवागमन की राह बनाई जाती है। हकीकत तो यह है कि हमारे यहां सडकों को सिर्फ चौपहिया वाहनों के हिसाब से ही डिजाइन किया जाता है। हां, कुछ महानगरों में साइकिल को प्रोत्साहन देने के लिए अलग ट्रेक भी बने हैं लेकिन वे भी जरूरत के हिसाब से नाकाफी हैं। लोगों को सेहत की फिक्र है और वे यह भी जानते हैं कि साइकिल सवारी व्यायाम का बेहतरीन माध्यम है। लेकिन चाहते हुए भी सडकों पर साइकिल उतारने से कतराते हैं। अभिभावक अपने बच्चों को घर के पास भी स्कूल जाने के लिए साइकिल नहीं देना चाहते क्योंकि उन्हें सडकें सुरक्षित नहीं लगतीं। जरूरत इस बात की है कि सुरक्षित और बेहतर साइकिल लेन बने। साथ ही, सामाजिक स्तर पर भी साइकिल सवारी को सम्मान के नजरिए से देखा जाए तो सेहत की रक्षा के साथ ईंधन बचत की दिशा में बड़ा काम हो सकता है।

नीट की शुचिता बचाने के लिए जरूरी कदम

प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता पर प्रश्नचिह्न लगने और इसके राजनीतिक मुद्दा बन जाने के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए होनेवाली परीक्षा (नीट) के तौर-तरीकों में व्यापक बदलाव की घोषणा की। अगले साल से 'नीट' कम्प्यूटर आधारित (सीबीटी) होगी। एक तरह से सरकार की स्वीकारोक्ति है कि ओएमआर शीट वाला मॉडल सुरक्षित नहीं रह गया है। प्रधान की यह ईमानदार स्वीकारोक्ति स्वागत योग्य है जिसमें उन्होंने माना है कि 'चेन ऑफ कमांड' में कहीं न कहीं चूक हुई है। लेकिन यह नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की साख पर लगे धब्बे को धोने के लिए पर्याप्त नहीं। साल-दर-साल लाखों युवाओं के सपनों को भ्रष्टाचार से कुचलने वाले गुनहगारों को जब तक सजा नहीं मिलेगी, सरकार के प्रयासों को पर्याप्त नहीं माना जा सकता। व्यवस्थागत गड़बड़ियों के जिम्मेदारों को ऐसी सजा दिलाना आवश्यक है जो नजीर बन सके और आगे अपराध करने से रोके। शिक्षा माफिया के खिलाफ 'लंबी और निरंतर लड़ाई' की बात कहना ही काफी नहीं होगा। सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि सिर्फ डिजिटल हो जाना ही सभी समस्याओं का निदान नहीं। पहले भी सरकारी प्रबंधों में भ्रष्टाचार रोकने के नाम पर डिजिटलीकरण के प्रयास किए गए लेकिन भ्रष्टाचारी हर बार कोई नया रास्ता निकाल ही लेते हैं। तकनीक के प्रसार से कम्प्यूटर सिस्टम में सेंधमारी अब सिर्फ विशेष प्रकार के 'कौशल' की बात रह गई है। इसलिए मजबूत 'साइबर सिक्योरिटी प्रोटोकॉल' बना उसका पालन सुनिश्चित करना होगा। देश में डिजिटल विभाजन पाटने के प्रयासों में भी तेजी लानी होगी। नीट जैसी परीक्षाओं में दूर-दराज के ऐसे अभ्यर्थी भी शामिल होते हैं जो सुविधा संपन्न क्षेत्रों के विद्यार्थियों की तरह कम्प्यूटर पर अभ्यस्त नहीं होते। एक साथ करीब 25 लाख अभ्यर्थियों को डिजिटल माध्यम से परीक्षा में शामिल करना अपने आप में एक चुनौती है। हालांकि, सरकार चाहे तो ऐसी बाधाओं को आसानी से दूर कर सकती है। एक साल का समय बुनियादी ढांचों के विकास के लिए पर्याप्त है। जरूरत सिर्फ इच्छाशक्ति की है। इस पूरे प्रकरण का सर्वाधिक चिंताजनक पक्ष युवाओं का व्यवस्था पर से डगमगाता विश्वास है। जीवन के शुरूआती पड़ाव पर ही व्यवस्थागत खामियों का मानसिक आघात उनके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकता है। पिछले कुछ वर्षों में न केवल नीट, बल्कि अन्य भर्ती परीक्षाओं में भी ऐसी घटनाओं ने युवाओं को आहत किया है। शिक्षा मंत्री का व्यवस्था सुधारने का वादा करना और राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों को लागू करने की घोषणा, अभ्यर्थियों के घावों पर मरहम लगाने जैसा है। ये कदम भविष्य में कितने प्रभावी सिद्ध होंगे, यह तो समय ही बताएगा। परंतु यह स्पष्ट है कि जब तक पेपर लीक के असली गुनहगारों और उनके राजनीतिक संरक्षकों को दंडित नहीं किया जाता, तब तक हर सुधार अधूरा ही रहेगा।

शरीर ही ब्रह्माण्ड: एकत्व का सृजन मार्ग

यह पुण्य सृजनकर्म पुनः सूक्ष्मता के परस्पर यज्ञीयकरण से ही संभव है जहां सोम की आहुति अग्नि में होनी है। स्त्री शरीर में क्षर-अक्षर एक साथ तीर्थरूप रूप में विद्यमान रहते हैं। ब्रह्म का स्वरूप भी निर्विकार है, बदलता नहीं है। हां, इससे अवतरित चेतना का प्रतिबिम्ब मार्ग के भोग और संस्कार से प्रभावित अवश्य होता है। अत्यधिक भोगों से स्त्री के सूक्ष्म शरीर पर आरोपित संस्कार, गुणधर्म से चित्त में विक्षेप और संस्कारों का संघर्ष उत्पन्न होता है।

गुलाब कोठारी

हमारे शरीर होते हैं–स्थूल, सूक्ष्म और कारण। इनका संचालन क्रमशः अपरा प्रकृति, परा प्रकृति और माया करती है। सूक्ष्म शरीर जीवात्मा का क्षेत्र है, प्राणमय कोश है। कारण शरीर मूल में अव्यय पुरुष का, ब्रह्म और माया का क्षेत्र है। इसमें किसी प्रकार की क्रिया नहीं है। सृष्टि का आलम्बन है। क्रिया सूक्ष्म-अक्षर में भी नहीं है, किंतु वह निमित्त कारण है। इसमें हृदय रूप तीन देवता–ब्रह्मा-विष्णु-इन्द्र तथा इनकी शक्तियां प्रतिष्ठित रहती हैं। यह जीवात्मा का क्षेत्र है। स्थूल शरीर ही इसका आश्रय है। जीवात्मा की गतिविधियां सूक्ष्म और स्थूल शरीर तक ही सीमित रहती हैं।

अव्यय पुरुष माया का शक्तिमान है। यहां ब्रह्म की प्रतिष्ठा केवल पुरुष शरीर में ही रहती है और माया की ब्रह्म सम्बन्धित गतिविधियां स्त्री शरीर में चलती हैं। इसके लिए स्त्री शरीर को दो श्रेणियों में बांटा गया है। एक स्त्री की स्थूल देह जिसे नौ द्वारों का पिंजरा कहा गया है। यह देह पुरुष देह की पूरक देह है। इनके कार्य प्रकृति (अपरा-परा) पर आधारित रहते हैं। दाम्पत्य भाव में रहते हैं। एक अन्य शरीर भी होता है स्त्री का जिसकी कार्य प्रणाली स्थूल शरीर का अंग रहते हुए भी स्वतंत्र होती है। यह ब्रह्म-माया का संसार है और केवल इनके ही काम आता है। इसके लिए स्त्री के शरीर में दसवां द्वार या ब्रह्मद्वार होता है। यह द्वार केवल ब्रह्म के आने-जाने के ही काम आता है।

ब्रह्म का अवतरण साधारण रूप में संभव नहीं है। इसके लिए विशिष्ट मार्ग स्त्री देह में होता है। यह मार्ग दिव्य है क्योंकि यह भीतर और बाहर दोनों ही दृष्टियों से मात्र ब्रह्म के आवागमन से जुड़ा है। जब ब्रह्म इस मार्ग से प्रवेश करता है तो सूक्ष्म स्पन्दन उठते हैं, आनन्दातिरेक की अवस्था में द्वार स्वयं खुलता है। स्थूल इच्छा में यह द्वार खुलना संभव नहीं होता। मानो माया स्वयं इसका नियंत्रण कर रही है। माया ब्रह्म की सृजनेच्छा की परिणति है। सृजन कर्म माया का क्षेत्र है। अतः यह ब्रह्मद्वार भी मूलतः मायाभाव से जुड़ा रहता है। प्रत्येक मादा शरीर में यह ब्रह्म-माया लोक होता है। स्त्री का जीवात्मा पुरुष शरीर से उसके प्रत्येक अंग का अंश लेकर इसी द्वार से अपने शरीर में प्रतिष्ठित करता है, उसका पोषण करता है और समय आने पर इसी ब्रह्मद्वार से उसे भूमिष्ठ कर देता है।

ब्रह्म मार्ग का मुंह गर्भाशय में खुलता है, जिसका पोषण स्त्री के शोणित से होता है। शोणित में अन्न के सभी रस होते हैं। शेष रक्त स्त्री शरीर के सप्त धातुओं का (पुरुष शरीरवत) निर्माण करता है। गर्भाशय की गतिविधियां और कार्यकलाप इस देह से स्वतंत्र रहते हैं। स्थूल शरीर, प्रत्येक योनि का, माता के शरीर से बनता है। मानव-पशु-पक्षी सभी के शरीरों का निर्माण एक ही सिद्धान्त पर होता है। ध्यान परम्परा में दसवां मार्ग विसर्जन का कहा गया है। किन्तु स्त्री देह में यह विसर्जन और सृजन दोनों का मार्ग बन जाता है। जब स्त्री गर्भ धारण करती है तो ब्रह्मांश उसी मार्ग से प्रवेश पाता है। यह द्वार रस और भाव का केन्द्र है। साधना की चरम अवस्था के समान जब इस अग्नि सोमात्मक यज्ञ में प्रणय भाव चरम पर होता है तभी अमृत सोम का प्रवाह आग्नेयी वेदी पर होता है। तब अखण्ड भाव में पूणार्हुति होकर गर्भ प्रतिष्ठित हो जाता है। पूर्ण घट बनकर उसी बह्मद्वार से भूमिष्ठ हो जाता है। ब्रह्म का प्रवेश आनन्द से जुड़ा है, वहीं उसका निकास सांसारिक बंधनों से समवेत हो जाता है।

चन्द्रमा सूर्यपत्नी है। वह पृथ्वी का अग्नि-पुत्र (आर्तव से निर्मित) भी है। चन्द्रमा स्त्री के प्राणमय कोश को प्रभावित करता है। आर्तव काल में वह द्वार अधिक ग्रहणशील हो जाता है। चंद्र की शक्ति उस द्वार को नाद (जीव) के लिए आकर्षक बनाती है, ताकि सूर्य-आत्मा का अवतरण संभव हो। यह केवल भौतिक गभार्धान के लिए ही नहीं, आध्यात्मिक साधना में भी चन्द्रमा उस द्वार को ऊर्ध्वगामी बनाता है। सूर्य चेतना-प्रकाश-पुरुष का प्रतीक है, नाद है। आत्मा सूर्य लोक से उतरता है, पुरुष के माध्यम से स्त्री के दसवें द्वार में प्रविष्ट होती है। यही सूर्य-चन्द्र योग है, जिससे सृष्टि का नव प्रादुर्भाव होता है।

चूंकि सूर्य जगत का पिता है, चन्द्रमा माता है, अतः यह द्वार सदा चन्द्रमा के नियंत्रण में कार्य करता है। प्रत्येक मासिक-चक्र की पूर्णता पर ही यह द्वार खुलता है। सन्तान प्राप्ति में सूर्य-चन्द्रमा के अतिरिक्त मंगल (रक्त) और शुक्र (रेत) भी प्रभावी भूमिका निभाते हैं। स्थूल देह प्रकृति (लक्ष्मी) आधारित है, सूक्ष्म (परा) सरस्वती या शब्द ब्रह्म पर आधारित है। चूंकि आत्मा मन-प्राण-वाक रूप है, अतः ईश्वरीय मन ही प्राण-वाक रूप में सृष्टि का आधार बनता है। मन की कामना (बीज) माया है। बल रूप है। निर्माण में उपयोगी है (स्वयं कर्ता नहीं है)। माया का कार्य प्रकृति से भिन्न है। अतः भिन्न क्षेत्र में कालानुसार होता है। नवें द्वार पर्यत जीवात्मा का क्षेत्र है। जीवात्मा के कार्यकलाप अन्न के माध्यम से चलते हैं।

स्त्री और पुरुष अग्नि और सोम है। स्त्री भीतर आग्नेय है तथा बाह्य स्वरूप में सोम है। पुरुष भीतर सौम्य है और बाहर से आग्नेय है। प्रथमतः सौम्य स्त्री आग्नेय पुरुष में आहुत होती है। तब उसका स्थूल स्वरूप नष्ट हो जाता है। अब वह स्थूल देह के प्रति सजग नहीं रहती उसका समस्त क्रिया भाव अक्षर के साथ जुड़ जाता है। प्राण स्वरूपा होकर वह अपने पुरुष के लिए कर्मों को संचालित करती है। विवाह में पिता द्वारा वर में प्राणों के स्थापन के साथ ही वह आहुत होकर वर में प्रतिष्ठित हो जाती है। यहीं से उसकी सूक्ष्मता की, दिव्यता की यात्रा आरम्भ हो जाती है। उसके सृजन कर्म का अलौकिक मार्ग प्रशस्त होता है। अपनी सौम्य आकृति से वह पति को आकर्षित करती है ताकि ब्रह्म बीज को स्वगर्भ में स्थापित कर सके। एक नारी के जीवन का वह क्षण गौरवमय होता है जब वह अपने अनुराग में बंधे पुरुष से उत्कट प्रेम के प्रमाणस्वरूप संतान प्राप्त करे। यहां यह प्रणय भाव सात्विक व सुमधुर होता है।

यह पुण्य सृजनकर्म पुनः सूक्ष्मता के परस्पर यज्ञीयकरण से ही संभव है जहां सोम की आहुति अग्नि में होनी है। स्त्री शरीर में क्षर-अक्षर एक साथ तीर्थरूप रूप में विद्यमान रहते हैं। ब्रह्म का स्वरूप भी निर्विकार है, बदलता नहीं है। हां, इससे अवतरित चेतना का प्रतिबिम्ब मार्ग के भोग और संस्कार से प्रभावित अवश्य होता है। अत्यधिक भोगों से स्त्री के सूक्ष्म शरीर पर आरोपित संस्कार, गुणधर्म से चित्त में विक्षेप और संस्कारों का संघर्ष उत्पन्न होता है। इससे दसवें द्वार की दैविक एकाग्रता भंग हो जाती है। जो मार्ग एक ही नाद, एक ही भाव से, ब्रह्म के अक्षर-अवतरण के लिए था, वह क्षर (जीव) और माया भाव का संगम बन गया।

यह दिव्य द्वार स्वभावतः एकत्व का द्वार है-अक्षर से जुड़ने के लिए-एकरस के लिए। भोग भावना से उसमें अनेकता आ जाती है। तब वह अक्षर- चेतना को आकर्षित न करके माया के बहुरूपों को आकर्षित करने लगता है। अब वह सामान्य मार्ग सा होकर जड़ हो जाता है। अवतरित चेतना का प्रतिबिम्ब भी विकृत हो जाता है। एकनिष्ठता ही दैविक द्वार की कुंजी है। योग भाव से नाद को समर्पित रहता हुआ माया का स्वरूप एकाग्र-प्रसन्न-तपोमय हो जाता है।

प्रकृति से दूरी ने बढ़ाई तपिश

भीषण गर्मी भी हमारे जल स्त्रोतों को कभी समाप्त नहीं कर पाती थी। स्नान और तैरने के लिए पानी निरंतर बहता रहता था। पिछले कई दशकों से मध्य भारत के मैदानी इलाकों में 40 डिग्री से ऊपर का तापमान कोई नई बात नहीं है। यह सामान्य प्रकृति का हिस्सा रहा है। लगभग सत्तर वर्ष पहले, 1956 में राजस्थान के अलवर में तापमान 50.6 डिग्री तक पहुंचा था। 1994 की मई में प्रयागराज में 48.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया और यह रेकॉर्ड अगले तीस वर्षों तक नहीं टूटा।

जनेश जोशी

कुछ समय पहले की बात है। मैं दिल्ली के पास एक गांव में चाय के ठेले पर बैठा था। बात गर्मी की चल पड़ी। ठेले वाले ने कहा, ह्यगर्मी तो पहले भी होती थी, साहब, पर अब कठिन लगने लगी है। फिर उसने अपनी बात आगे बढ़ाई। पहले बड़ी इमारतों में गिनती के एयर कंडीशनर हुआ करते थे। अब हर खिडकी से एक एसी बाहर की ओर गर्मी फेंकता है। हर मोहल्ले के चौराहे पर मटकों के ठिए हुआ करते थे, लेकिन अब उनकी जगह पानी की बोतलें बिकती हैं। पहले जब मेहमान घर आते थे, तो उन्हें कैरी का पना या छाछ पिलाई जाती थी, ताकि लू का असर कम हो। अब उनकी जगह दवाइयों ने ले ली है। आस-पास बैठे बुजुर्ग सिर हिलाकर सहमति जताते रहे और मुझे अपने बचपन के दिन याद आने लगे।

मै मध्य भारत के आदिवासी अंचल से आता हूं। वहां की गर्मियां कभी भी हमें घर में बांधने वाली नहीं रहीं। अक्षय तृतीया से लेकर पूरी गर्मी तक शादियों और सामाजिक आयोजनों का सिलसिला लगातार चलता रहता था। बारात में जाते या किसी अन्य आयोजन में शामिल होते, तो आस-पास कहीं न कहीं नीम या किसी बड़े पेड़ की छाया मिल ही जाती थी। दोपहर के भोजन के बाद उसी छाया में बैठकर बातें करते हुए समय जीत जाता था। नदी-नालों में कूदना, दिन भर पानी में डूबे रहना भी गर्मी का ही हिस्सा था। मां-बहनें सिर पर गंगाजल लेकर जाती थीं। रात को खुले आंगन में सोते हुए तारे गिनना और उनकी भाषा सुनना भी जीवन का आनंद था। बिजली रहे या न रहे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। भीषण गर्मी भी हमारे जल स्त्रोतों को कभी समाप्त नहीं कर पाती थी। स्नान और तैरने के लिए पानी निरंतर बहता रहता था।

पिछले कई दशकों से मध्य भारत के मैदानी इलाकों में 40 डिग्री से ऊपर का तापमान कोई नई बात नहीं है। यह सामान्य प्रकृति का हिस्सा रहा है। लगभग सत्तर वर्ष पहले, 1956 में राजस्थान के अलवर में तापमान 50.6 डिग्री तक पहुंचा था। 1994 की मई में प्रयागराज में 48.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया और यह रेकॉर्ड अगले तीस वर्षों तक नहीं टूटा। 2010 की मई में अहमदाबाद ने 46.8 डिग्री तापमान देखा और 2016 में राजस्थान के फलोदी में पारा 51 डिग्री तक पहुंच गया, जो आज भी देश में दर्ज सबसे अधिक तापमान है। थोड़ी असहजता होना और उसका कम-ज्यादा होना हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा था। फिर ऐसा क्या बदल गया कि आज हर साल की गर्मी हमें तांडव जैसी लगने लगी है? ऐसा क्या खो गया, जिसने हमें इतना असुरक्षित बना दिया? भीषण गर्मी केवल तापमान बढ़ने का नाम नहीं है। यह प्रकृति से हमारे टूटते संबंधों का परिणाम है। जब तक हम यह नहीं समझेंगे, तब तक हम इस गर्मी को भी सही ढंग से नहीं समझ पाएंगे। आज मौसम के पूवार्नुमान के आंकड़े देखकर ही हम असहज महसूस करने लगते हैं। हमारी जीवनशैली और प्रकृति को जीतने की हमारी कोशिशें ही गर्मी को बढ़ा रही हैं।

दूसरी ओर आदिवासी और ग्रामीण जीवन शैली है, जो प्रकृति से लडकर नहीं, बल्कि उसके साथ सामंजस्य बनाकर स्वयं को सुरक्षित रखती है। वही जीवन शैली हमें प्रकृति के साथ रहकर आनंद लेना भी सिखाती है। यह जीवन शैली पहले भी महत्त्वपूर्ण थी और आज भी उतनी ही आवश्यक है।

मेरा उद्देश्य गर्मी का महिमामंडन करना या पर्यावरणविदों की चिंता को कम करके आंकना बिल्कुल नहीं है। चिंता वास्तविक है। परंतु प्रश्न यह है कि अचानक यह गर्मी हमें इतनी असहनीय क्यों लगने लगी है? ऐसा क्या है जो हमसे छूट गया है? जंगल कटते गए। जो जल स्त्रोत कभी साफ रखे जाते थे और समय-समय पर गहरे किए जाते थे, उनकी सुध किसी ने नहीं ली। गर्मी के पारंपरिक भोजन भुला दिए गए। लू से बचाने वाली देसी औषधियां भी भूल गए और सबसे बड़ी बात, गर्मी में आनंद लेने के हमारे तरीके खो गए। शादियां, अक्षय तृतीया, पेड़ों की छाया में बैठकी-ये केवल परंपराएं नहीं थीं, बल्कि गर्मी के साथ जीने के हमारे तरीके थे।

भीषण गर्मी से लड़ने की योजना बंद कमरों में बैठकर नहीं बन सकती। हमें जलवायु पर चर्चा करने से पहले उस जीवन शैली को समझना होगा, जो प्रकृति के साथ चलती थी। हमारे घर कैसे बनते थे, हमारा भोजन क्या था और हमारे जल स्त्रोतों का प्रबंधन कैसे होता था-इन सभी बातों को समझना आवश्यक है। यह समझ बड़े जलवायु क्षेत्रों के स्तर पर नहीं, बल्कि छोटे स्थानीय जलवायु क्षेत्रों के स्तर पर विकसित करनी होगी। हर क्षेत्र के अपने वन, अपना भोजन और अपनी परंपराएं होती हैं। समाधान भी इन्हीं से निकलेंगे।

आदिवासी और ग्रामीण समुदाय आज भी इसी प्रकार जीवन जी रहे हैं। वे कोई बीती हुई कहानी नहीं हैं, बल्कि इस बात का जीवित उदाहरण हैं कि जल, जंगल और जमीन का प्रबंधन एक साथ कैसे किया जाता है। यदि हम जलवायु नीति या आपदा प्रबंधन की बात करते हैं, तो इन समुदायों से संवाद और सलाह-मशविरा किए बिना कोई नीति पूर्ण नहीं हो सकती। उनका पारंपरिक ज्ञान, स्थानीय समाधान और परिस्थितियों की समझ हमारी नीतियों का हिस्सा बननी चाहिए। यही वह मार्ग है, जिससे हम प्रकृति से अपने टूटे संबंधों को फिर से जोड़ सकते हैं। और शायद यही वह रास्ता है, जिसके माध्यम से हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां केवल गर्मी सहना ही नहीं, बल्कि उसके साथ जीना और उसका आनंद लेना भी फिर से सीख सकें।

जीवन की गहराई

श्रीश्री रवि शंकर

चिंतन-मनन

अकसर हम मौन से डरते हैं और उसे बातों से भरने की कोशिश करते हैं, जबकि असली संवाद हृदय से और मौन में ही संभव है। चाहे वह प्रेम हो, सुंदरता हो या ईश्वर, इनका सच्चा अनुभव शब्दों के पार जाने पर ही मिलता है। शब्द होने लगे सीमित तो जीवन गहराई में जब हमें यह अनुभव होने लगता है कि शब्द सीमित हैं, अधूरे हैं, तब समझ लेना चाहिए कि हमारा जीवन गहराई की ओर बढ़ रहा है। तब हम सचमुच जीना शुरू करते हैं। सुबह से रात तक हम शब्दों में जीते हैं। हर बात का अर्थ चाहिए, हर कार्य उद्देश्यपूर्ण होना चाहिए। इस उद्देश्य की दौड़ में हम जीवन का वास्तविक उद्देश्य ही खो बैठते हैं। सामने लटकी गाजर की ओर उछलते खरगोश की भांति-पास होते हुए भी दूर। रात में भी शब्द हमें परेशान करते हैं। वे हमारी गहरी नींद छीन लेते हैं। कई लोग नींद में भी बोलते रहते हैं। शब्दों से मानो कोई मुक्ति ही नहीं। चिंता का मूल कारण भी शब्द ही हैं। बिना शब्दों के क्या आप चिंता कर सकते हैं? दस मिनट चिंता करके देखिए, पर एक भी शब्द का उपयोग न करें, ये संभव ही नहीं! हमारी मित्रता भी शब्दों पर आधारित है। कोई कह दे, आप बहुत अद्भुत, सुंदर और दयालु हैं और हम प्रेम में पड़ जाते हैं। कोई अपशब्द कह दे जो हम आहत और क्रोधित हो जाते हैं। पर प्रशंसा और अपमान, दोनों शब्द ही तो हैं। यदि जीवन शब्दों पर आधारित है, तो वह बहुत सतही है। प्रेम, सच्ची कृतज्ञता, वास्तविक सुंदरता और सच्ची मित्रता, इनका अनुभव शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। शब्द अपर्याप्त हो जाए तो जीवन को गहराई मिलती है- क्या कभी आप किसी प्रियजन के साथ पूर्ण मौन में बैठे हैं? प्रायः हम उस मौन को भी बातों से भर देते हैं। पिकनिक पर जाते हैं, सुंदर स्थान देखते हैं, पर उसका आनंद लेने के बजाय बोलते ही रहते हैं। कार में चार लोग हों तो चारों एक साथ बोलते हैं। कोई किसी को सुनता नहीं। सब अपनी बारी की प्रतीक्षा में रहते हैं। हमने अपने मन को शोर से भर दिया है। भीतर जितनी अधिक अशांति होती है, बाहर उतना ही ऊंचा संगीत अच्छा लगता है, क्योंकि वह भीतर के शोर को ढक देता है। संगीत में खो जाना आसान है, क्षणिक राहत मिलती है। पर जैसे-जैसे चेतना सूक्ष्म और तनावमुक्त होती है, हम ध्वनि के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं।

आपके पत्र

बढ़ती कीमतों के लिए कौन जिम्मेदार?

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बाद से ही देशभर में लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं। इस बढ़ोतरी का सीधा असर हमारी रोजमर्रा की जिंदगी और जेब पर पड़ने वाला है। अब तो हर चीज के दाम बढ़ेंगे, जिससे आम आदमी को अपना जीवनयापन करना मुश्किल हो जाएगा। महंगाई बढ? से जनता का मासिक बजट बिगड़ जाता है। जरूरी वस्तुओं की खरीददारी में भी कटौती करनी पड़ती है और बचत में भी कमी आती है।

आम जनता पर तो महंगाई की चौतरफा मार पड़ती है। मध्यमवर्गीय परिवारों का बजट तो बिगड़ ही जाता है, लेकिन गरीब आदमी का तो जीना ही मुहाल हो जाता है। सरकार को मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखकर महंगाई पर नियंत्रित करने के उचित प्रयास करने चाहिए।

आके वर्मा, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

घर में चोरी के आरोप में युवक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के बड़ा आकुनबन्ना गांव में घर में घुसकर चोरी करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक आयेश शेख को सोमवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार बीते दिनों बड़ा आकुनबन्ना गांव में एक घर में चोरी की घटना हुई थी। घटना के दौरान ग्रामीणों ने आरोपी युवक को संदिग्ध अवस्था में पकड़ लिया और तत्काल राधानगर पुलिस के हवाले कर दिया। इसके बाद पीड़ित परिवार की ओर से थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई। पीड़ित के आवेदन के आधार पर राधानगर थाना में कांड संख्या 161/26 के तहत बीएनएस की धारा 331(4) एवं 305 के अंतर्गत आयेश शेख के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है तथा घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी छानबीन की जा रही है।

टोटो से धक्का लगने से एक महिला गंभीर रूप से घायल भर्ती

साहिबगंज : रेलवे स्टेशन चौक पर सोमवार को एक महिला को टोटो ने जोरदार धक्का मार दिया।इसमें महिला गंभीर रूप से घायल हो गया।लोगों की मदद से घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।घायल महिला सकरी गली नया टिककर की रहने वाली हसीना खातून 55 है। महिला साहिबगंज किसी काम के सिलसिले से आई है।महिला मार्केट कर स्टेशन चौक पर अंडा लेने के लिए टोटो से उतरी।इसी दौरान एक तेज रफ्तार टोटो ने धक्का मार दिया।इसमें महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।वही महिला का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।

साहिबगंज प्रखंड कार्यालय में बंद सभागार देख भड़के जनप्रतिनिधि

साहिबगंज : सदर प्रखंड कार्यालय स्थित सभागार में आयोजित पंचायत समिति की बैठक अव्यवस्था और अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण विवादों में घिर गई।सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने में प्रखंड स्तर के अधिकारियों की उदासीनता एक बार फिर सोमवार को देखने को मिला। बैठक में पहुंचे जनप्रतिनिधियों ने प्रशासनिक लापरवाही पर जमकर नाराजगी जताई।पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पंचायत समिति की बैठक सुबह 11 बजे आयोजित होनी थी।बाद में प्रखंड विकास पदाधिकारी की ओर से समय बदलकर 12 बजे किया गया।निर्धारित समय के अनुसार जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव,प्रखंड प्रमुख बीना देवी,उप प्रमुख सहित कई पंचायत प्रतिनिधि प्रखंड कार्यालय पहुंचे।लेकिन सभागार का ताला बंद मिला।काफी देर बाद ताला खुलवाया गया,तो अंदर बैठक की कोई तैयारी नहीं थी और अधिकांश विभागीय पदाधिकारी नदारद थे।यह स्थिति देखकर जनप्रतिनिधि भड़क उठे।जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि अधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों और पंचायत समिति की बैठकों को कोई महत्व नहीं दिया जा रहा है।लगातार कई बैठकों से विभागीय अधिकारी अनुपस्थित रह रहे हैं,जिससे पंचायतों का विकास कार्य प्रभावित हो रहा हैं।पदाधिकारी नहीं चाहते हैं की सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं आम लोगों तक पहुंचे।वही प्रखंड प्रमुख बीना देवी समेत अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने भी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण सरकार की योजनाओं का सही जानकारी पंचायत स्तर तक नहीं पहुंच पाती।इससे आम जनता को योजनाओं का लाभ मिलने में परेशानी हो रही है।वही प्रखंड विकास पदाधिकारी बासुकीनाथ टुडू ने कहा कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के कारण बैठक में पहुंचने में देरी हुई।बैठक में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा।पंचायत प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि यदि अधिकारियों का यही रवैया जारी रहा तो आने वाले दिनों में आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे।

मंईयां सम्मान योजना में सत्यापन के नाम पर अवैध वसूली, महिला मोर्चा ने कार्रवाई की उठाई मांग

कोडरमा : झारखंड मुक्ति महिला मोर्चा की जिला सचिव गुड़िया देवी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत पात्र महिलाओं को डीबीटी के माध्यम से प्रतिमाह 2500 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे बैंक खाते में दी जा रही है। योजना का लाभ निर्बाध रूप से मिलता रहे, इसके लिए पंचायत एवं वार्ड स्तर पर लाभुकों का भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सत्यापन प्रक्रिया के दौरान अधिकारियों द्वारा लाभुक महिला का जीवित होना, आयु 18 से 50 वर्ष के बीच होना तथा दस्तावेजों की जांच की जाती है। साथ ही मृत, निर्धारित आयु से अधिक या अन्य सरकारी पेंशन का लाभ लेने वाली अपात्र महिलाओं को सूची से हटाने का कार्य किया जा रहा है, ताकि वास्तविक जरूरतमंद महिलाओं तक योजना का लाभ पहुंचे। गुड़िया देवी ने चिंता जताते हुए कहा कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों से सत्यापन के नाम पर अवैध रूप से रुपये वसूले जाने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। कुछ लोग योजना का भय दिखाकर महिलाओं से पैसे ऐंठने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे सरकार की छवि धूमिल हो रही है। उन्होंने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है और गरीब महिलाओं के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की कि ऐसे दलालों और अवैध वसूली करने वालों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि योजना का लाभ पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ पात्र महिलाओं तक पहुंच सके।

अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था में पूर्ण सतर्कता बरतने का दिया निर्देश : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री दीपक कुमार दुबे द्वारा समाहरणालय परिसर स्थित इभीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस में सुरक्षित रखी गई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था, रखरखाव एवं प्रबंधन संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने वेयरहाउस में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच करते हुए कैमरों की कवरेज एवं सभी प्रवेश-निकास बिंदुओं की निगरानी व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित कर्मियों से डिस्प्ले सिस्टम, रिकॉर्डिंग व्यवस्था एवं सुरक्षा मॉनिटरिंग से संबंधित जानकारी प्राप्त की जबकि निगरानी प्रणाली को सतत सक्रिय व प्रभावी बनाए रखने का निर्देश दिया।उन्होंने डबल लॉक एवं सीलबंद कक्षों, अभिलेख संधारण सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुपालन की भी समीक्षा की। इस दौरान संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों के अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था में पूर्ण सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त ने वेयरहाउस में उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों, विशेषकर फायर एक्सटिंग्विशर की उपलब्धता एवं वैधता की जांच करते हुए इनके नियमित रखरखाव एवं समय पर नवीनीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही वेयरहाउस परिसर के रखरखाव कार्यों की समीक्षा करते हुए नियमित निरीक्षण एवं आवश्यक मरम्मत कार्य कराने पर बल दिया। उपायुक्त ने कहा कि निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के लिए भीएमम और भीभीपीएटी मशीनों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं सुरक्षा कर्मियों को सभी निर्धारित मानकों एवं दिशा-निदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही वेयरहाउस में प्रतिनियुक्त कर्मियों को नियमित अंतराल पर प्रशिक्षण प्रदान किए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता श्री गौतम भगत, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुश्री सुनीता किस्कू, संबंधित पुलिस पदाधिकारी, वेयरहाउस प्रभारी, तकनीकी कर्मी एवं मान्यता प्राप्त विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

समाहरणालय के समक्ष झारखंड मजदूर संघ का एक दिवसीय शांतिपूर्ण सांकेतिक धरना

संवाददाता

साहिबगंज : जिले में श्रमिक अधिकारों को लेकर झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिककी जिला कमेटी द्वारा साहिबगंज समाहरणालय के समक्ष एक दिवसीय शांतिपूर्ण सांकेतिक धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया।कार्यक्रम में संघ के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए,जबकि धरना की अध्यक्षता मिठुन राजवंशी ने की।धरना के दौरान श्रमिकों की बुनियादी समस्याओं न्यूनतम वेतन की गारंटी,8 घंटे कार्य दिवस, ओवरटाइम भुगतान,नियुक्ति पत्र, लोडिंग क्षेत्रों में पेयजल व शौचालय व्यवस्था,असवेंक्षित जमीन का सर्वे, मानक के विपरीत शराब दुकानों की बंदी सहित 9 सूत्री मांगों को प्रमुखता से उठाया गया।राजकुमार यादव ने कहा कि मजदूर वर्ग मानसिक,शारीरिक और आर्थिक शोषण का सामना कर रहा है और प्रशासन से श्रमिक हित में त्वरित व ठोस कार्रवाई की मांग की।मौके पर संगठन के केन्द्रीय महामंत्री राजकुमार यादव,उपाध्यक्ष फुल कुमारी,जिला अध्यक्ष प्रीतम कुमार पीयुष,जिला कार्यकारी अध्यक्ष मो सेईद अख्तर,नीखिल यादव, रणधीर प्रसाद, मुना यादव,रविकांत ठाकुर, जियाउल हक, लैण्डो पहाड़ियां, भोला यादव, विजय यादव, जितेन्द्र रजक, अशोक सिंह, कैलाश चौधरी,कुंदन मंडल, सुनिल मंडल,चंदन पासवान, संजय सिंह, जुगेश सिंह, धर्मेंद्र रजक, संतोष यादव, प्रेम कुमार रजक, रविन मंडल, हीरा महलदार, महेश यादव, रविकांत रजक, संभु मंडल,अनिल मंडल, शिवजतन मंडल, विश्वजीत मंडल, पप्पू पासवान, कार्तिक पासवान, मुन्ना रविदास, रोहित कुमार गुप्ता समेत कई लोग मौजूद थे।

छोटा अकुनबान्ना में विशेष टीकाकरण अभियान की शुरूआत

वन-वीक वन-सीएचसी कार्यक्रम के तहत बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाने पर जोर

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड के छोटा अकुनबान्ना स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से ह्वन-वीक वन-सीएचसीह्व विशेष टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन राजमहल विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद मारूफ उर्फ गुड्डू एवं जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. किरण माला ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद मारूफ ने कहा कि बच्चों का नियमित टीकाकरण उन्हें कई गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है। उन्होंने ग्रामीण अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपने बच्चों को समय पर टीका अवश्य दिलवाएं, ताकि वे स्वस्थ एवं सुरक्षित रह सकें। वहीं जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. किरण माला ने बताया कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के तहत बच्चों को जन्म से लेकर पांच वर्ष की आयु तक अलग-अलग चरणों में आवश्यक टीके लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से बच्चों को करीब 12 प्रकार की गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकेगा। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को टीकाकरण के महत्व एवं इसके लाभों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि समय पर टीकाकरण बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत जरूरी है। मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. गुफरान आलम, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक सह लेखा प्रबंधक अमित कुमार, सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी वसीम अकरम, शिव शंकर शर्मा, एमटीएस अनिल पाल, बीटीटी धीरन मंडल, एएनएम सलेहा नाज शमीम सहित कई स्वास्थ्यकर्मी एवं ग्रामीण मौजूद थे।

36 घंटे में खुलासा संभव है, तो बाकी मामलों में प्रशासन मौन क्यों : महेश कुमार यादव

कोडरमा : जिला में नेहा राज हत्याकांड का खुलासा महज 36 घंटे के भीतर होना यह साबित करता है कि अगर प्रशासन और पुलिस ईमानदारी से चाह ले, तो किसी भी बड़े मामले का पदार्फाश जल्द किया जा सकता है। लेकिन यही सवाल आज जिले की जनता प्रशासन से पूछ रही है कि आखिर बाकी गंभीर मामलों में ऐसी तत्परता क्यों नहीं दिखाई जा रही? आम आदमी पार्टी कोडरमा जिला अध्यक्ष महेश कुमार यादव ने कहा कि कोडरमा में न्याय व्यवस्था अब सवालों के घेरे में है। कुछ मामलों में बिजली की गति से कार्रवाई होती है, जबकि गरीब, पिछड़े और सामान्य परिवारों के मामलों को महीनों तक ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। इससे साफ प्रतीत होता है कि प्रशासन का रवैया समान नहीं है। उन्होंने कहा कि जयनगर थाना के हाजत में हुई विजय यादव की संदिग्ध मौत को लंबा समय बीत चुका है, लेकिन अब तक किसी दोषी पुलिसकर्मी की गिरफ्तारी नहीं हुई। सुभाष राणा हत्याकांड को पाँच महीने गुजर चुके हैं, लेकिन आज तक पूरे मामला का उद्वेदन नहीं किया जा सका। सैफ अली, पिता शमशेरा अलम मामले को लेकर आज तक प्रशासन के द्वारा किसी तरह का कोई खुलासा नहीं किया जाना बेहद ही निंदनीय है। केदार यादव मौत मामले में दो महीने बीत जाने के बाद भी पुलिस किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुँच सकी और ना ही किसी अपराधी का गिरफ्तारी हो पाई। वहीं झुमरी तिलैया स्थित निजी विद्यालय सेक्रेट हार्ट स्कूल के छात्रावास में छात्र उदित राज की संदिग्ध मौत के मामले में भी प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है।

चुनावी वादों को भूलकर किसानों के साथ सरकार कर रही है सौतेला व्यवहार : राजकुमार भगत

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : भारतीय जनता पार्टी द्वारा झारखंड सरकार के खिलाफ किसानों के मुद्दों को लेकर राज्यभर में धरना प्रदर्शन कर रही है जो 20 मई तक विभिन्न प्रखंड में आयोजित की जाएगी। इसी क्रम में सोमवार को बरहरवा प्रखंड मुख्यालय परिसर में भाजपा के बैनर तले बरहरवा मंडल अध्यक्ष राजकुमार भगत की अध्यक्षता में एकदिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन आयोजित की गई, भाजपा कार्यकताओं ने हेमंत सोरेन सरकार हाय हाय ,किसानो के साथ अत्याचार नहीं सहेंगे ,रचुनावी वादों को याद करो याद करोर जैसे नारे लगाए।इस दौरान मंडल अध्यक्ष राजकुमार भगत ने कहा कि जेएमएम और कॉंग्रेस पार्टी द्वारा चुनाव के समय किसानो और आम जनता से अपनी अपनी घोषणा पत्रों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के वादे किए लेकिन चुनाव जीतकर सरकार बनते ही वादा खिलाफी पर उतर आए।केवल मैया सम्मान योजना का लॉलीपॉप दिखाकर किसानो और आम जनता के साथ धोखा किया,किसानों के साथ सौतेला व्यवहार भाजपा कभी बर्दाश्त नहीं करेगी।वहीं वरिष्ठ नेता कमल भगत ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार पूरी तरह से बिफल साबित हो रही है,ना ही अपना वादा निभा पा रही है और न हीं सरकार की योजनाओं को गरीब और आम जनता तक पहुँचा पा रही है,जेएमएम और कांग्रेस केवल अपने कार्यकताओं को लाभ पहुँचाने का में ब्यस्त है आम जनता का काम बिना पैसे के नही किया जाता,लेकिन जनता इनके ऐसे व्यवहार को कभी माफ नहीं करेगी। किसानो से घोषणा पत्र के माध्यम से वादे किए गए 3200 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम मूल्य देने ,वन उत्पादों में एमएसपी में 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने,कृषि उपकरण ,किफायती दरो में खाद बीज ,कृषि कार्य के लिए मुफ्त बिजली ,1 रुपये प्रति पशुधन की दर से पशु बीमा,1 रुपये प्रति डीसीमल फसल बीमा ,कृषि बैंक ,450 रुपये सिलेण्डर इत्यादि जैसे वादे किए गए परन्तु सरकार बनने के बाद सारे वादें केवल घोषणा पत्रों में ही सिमट कर रह गई।धरातल पर इसका कोई प्रभाव नहीं दिखाई दे रही है। किसान की परेशानियों को कम करने के बजाय सरकार ने उनके साथ सौतेला व्यवहार करने का काम किया है।प्रदर्शन के बाद भाजपा के पाँच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम राज्यपाल के नाम विभिन्न मांगों को लेकर बरहरवा प्रखंड विकास पदाधिकारी सन्नी कुमार दास को माँग सौंपा।कायर्क्रम में मुख्य रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष राजकुमार भगत,बरहरवा नगर अध्यक्ष अर्पिता दास,भाजपा वरिष्ट नेता कमल कृष्ण भगत,ग्रामीण मंडल अध्यक्ष तारक घोष,बिकास भगत,जिला मंत्री ऊषा भारती,संजीव गुप्ता,कुष्माकर तिवारी,महामंत्री प्रदीप भगत,संजय रमानी,जयदेव महतो,श्यामल दास सहित अन्य भाजपा कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। धरना के दौरान विवाद,बरहरवा बीडीओ व भाजपा कार्यकर्ता आमने सामने भाजपा ने दबाव बनाने का लगाया आरोप भाजपा द्वारा बरहरवा प्रखंड परिसर में किये जा रहे धरना प्रदर्शन के दौरान लाउडस्पीकर को लेकर बरहरवा प्रखंड विकास पदाधिकारी सन्नी कुमार दास व भाजपा कार्यकताओं के बीच विवाद उतपन्न हो गई ,दरअसल धरना प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकताओं द्वारा लाउडस्पीकर के माध्यम से कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा था,इसी दौरान प्रखण्ड कार्यालय से लाउडस्पीकर बंद करने के निर्देश दिए गए और परमिशन नहीं लेने की बात कही गई,मौके पर पुलिस भी पहुँच गई,जिसके बाद भाजपा कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि राजनैतिक दबाव में बीडीओ ने प्रदर्शन को प्रभावित करने का प्रयास किया।जो निंदनीय है।जबकि कार्यक्रम को लेकर थाना,अंचलधिकारी एवं बीडीओ कार्यालय को लिखित रूप से सूचना दी गई थी।

भोजपुरी गाना जनवा मारे गोदनवा ने लूटी महफिल, ज्योति यादव के देसी अंदाज पर फिदा हुए फैंस

भोजपुरी सिंगर मोहन राठौर का नया गाना जनवा मारे गोदनवा रिलीज हो गया है। वीडियो में और ज्योति यादव की शानदार अदाएं लोगों को दीवाना बना रही है ।

भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री में एक बार फिर नया धमाका देखने को मिल रहा है । सिंगर मोहन राठौर का नया गाना जनवा मारे गोदनवा रिलीज हो गया है और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है । वीडियो में और ज्योति यादव की शानदार अदाएं लोगों को दीवाना बना रही है ।

जनवा मारे गोदनवा सॉन्ग रिलीजः जनवा मारे गोदनवा को देसी भोजपुरी अंदाज में तैयार किया गया है, जिसमें रोमांस, डांस और देसी मस्ती का जबरदस्त

तड़का देखने को मिल रहा है । इसके बोल देवआनंद राजभर ने लिखे हैं । वहीं दिलीप प्रजापति का संगीत गाने को और भी आकर्षक बनाता है । इसमें हीरोइन ने गोदना करवाया और वो अपना दर्द बता रही हैं कि इससे कितना दर्द होता है । सरगम्बाबू ऑफिशियल नाम के यूजर ने लिखा, लव यू बड़े भैया मोहन ऐसे सुर को बार बार सलाम। कृष्णा प्रमी म्यूजिक ने लिखा, बहुत अच्छा सॉन्ग है। देवेंद्रराजभर ने लिखा, कौन कौन मानता है कि मोहन भैय्या जब जब गाते हैं दिल छू लेते हैं।

गाने के पीछे इन लोगों ने की है मेहनतः वीडियो में ज्योति यादव की स्क्रीन प्रेजेंस काफी दमदार दिखाई दे रही है । उनकी और मोहन राठौर की केमिस्ट्री गाने को और खास बनाती है । वीडियो का निर्देशन और कोरियोग्राफी लक्की विश्वकर्मा ने किया है, जिन्होंने गाने को शानदार विजुअल ट्रीट देने की कोशिश की है । कैमरा वर्क दिलीप चौरसिया ने संभाला है, जबकि एडिटिंग का काम रविश ने किया है।

राम चरण ने जान्हवी कपूर को बताया छुपा रुस्तम

दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेता राम चरण ने फिल्म पेड्डी के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अपनी सह-कलाकार जान्हवी कपूर की जमकर सराहना की और उन्हें छुपा रुस्तम बताया। इवेंट में राम चरण ने कहा कि जान्हवी कपूर ने फिल्म के लिए चुपचाप और गंभीरता से तैयारी की, जिसका परिणाम शूटिंग के दौरान सभी के सामने एक बड़े सरप्राइज के रूप में आया। उन्होंने कहा कि जान्हवी ने अपने प्रदर्शन से पूरी टीम को प्रभावित किया है और फिल्म में उनका नया और रॉ अवतार दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा।

राम चरण ने शूटिंग के अनुभव साझा करते हुए बताया कि टीम पिछले कई दिनों से लगातार काम कर रही थी और एक गाने की शूटिंग के दौरान जान्हवी का प्रदर्शन सबसे अलग और प्रभावशाली रहा। उन्होंने कहा कि मुझे गाने की तैयारी के लिए ज्यादा समय नहीं मिला, लेकिन वह आईं और मुझसे कहीं बेहतर कर गईं। रामचरण ने कहा कि जान्हवी कपूर ने इस प्रोजेक्ट के लिए बेहद समर्पण और मेहनत के साथ काम किया है। उन्होंने बताया कि जान्हवी मुंबई में बिना किसी चर्चा के लगातार तैयारी करती रहीं और अपने किरदार को पूरी तरह समझने की कोशिश की।

राम चरण ने जाह्नवी को छुपा रुस्तम बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने करियर में इतनी मेहनत करने वाला कलाकार कम ही देखा है, जो पर्दे के पीछे इतनी गंभीरता से तैयारी करता हो। इवेंट के दौरान राम चरण भावुक भी नजर आए। उन्होंने अपने परिवार से जुड़े फिल्मी इतिहास का जिक्र करते हुए बताया कि उनके पिता और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी ने पहले साथ काम किया था। उन्होंने दर्शकों को भरोसा दिलाया कि पेड्डी में उनकी और जान्हवी कपूर की जोड़ी स्क्रीन पर एक नई और दमदार केमिस्ट्री लेकर आएगी, जो दर्शकों को निराश नहीं करेगी।

क्रिकेटर तिलक वर्मा को डेट करने की खबर अफवाह, श्रीलीला ने तोड़ी चुप्पी

पुष्पा फेम एक्ट्रेस श्रीलीला आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। साउथ के बाद अब श्रीलीला अपनी पहचान इंडस्ट्री में धीरे-धीरे बना रही हैं। महज 24 साल की उम्र में उन्होंने तेलुगू फिल्मों में मेन लीड एक्ट्रेस की भूमिका निभाई है। जल्द ही श्रीलीला डायरेक्टर अनुराग बासु की फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी। इस रोमांटिक ड्रामा मूवी को लेकर श्रीलाल लगातार सुर्खियों में बनीं हैं। इसी बीच अब उनका नाम मुंबई इंडियंस और भारतीय टीम के फेमस क्रिकेटर तिलक वर्मा संग लगातार जुड़ता नजर आ रहा है।

ऐसे में अब इन खबरों के बीच एक्ट्रेस की टीम की तरफ से जवाब आया है। श्रीलीला की टीम ने इन खबरों को पूरी तरह से बेबुनियाद बताकर खारिज कर दिया। उनकी टीम ने कहा, तिलक वर्मा और श्रीलीला को लेकर चल रही अफवाहें पूरी तरह से बेबुनियाद और गलत हैं। दोनों कभी एक-दूसरे से मिले भी नहीं हैं और न ही कभी बात की है।

सलमान खान का नया फिटनेस अवतार, बॉडी देख चौंक जाएंगे

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान ने सोशल मीडिया पर अपनी नई तस्वीर साझा की है, जिसमें वह रिप्ड एब्स फ्लॉन्ट करते नजर आ रहे हैं। सलमान खान अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्मों और दुनियाभर में फैली जबरदस्त फैन फॉलोइंग के लिए जाने जाते हैं। वह सोशल मीडिया पर भी हर पोस्ट के साथ तहलका मचा देते हैं। फैंस हमेशा उनकी वर्क लाइफ, पर्सनल मोमेंट्स और फिटनेस रूटीन की झलक पाने का बेसब्री से इंतजार करते हैं। फिटनेस आइकन माने जाने वाले सलमान अकसर अपने वर्कआउट सेशन्स और दमदार फिजिक की तस्वीरें शेयर कर सुर्खियां बटोरते हैं।

सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक शानदार तस्वीर शेयर की, जिसमें वह सोफे पर लेटे हुए अपने चिजल्ड एब्स फ्लॉन्ट करते नजर आ रहे हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने एक मजेदार और दिलचस्प कैप्शन भी लिखा। तस्वीर शेयर करते हुए सलमान खान ने लिखा कि मैं खुद और सिर्फ मैं अपने आप के साथ रहने के दो तरीके होते हैं–अलोन और लोनली आई अलोन मतलब अपनी पसंद से अकेले रहना और लोनली मतलब जब कोई आपके साथ रहना ही ना चाहेज अब इसके आगे आपको खुद समझना है कि क्या करना चाहिए। सलमान खान अपनी अगली बड़ी फिल्म मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस की तैयारी में जुट चुके हैं। सलमा खान द्वारा सलमान खान फि ल्मस के बैनर तले प्रोड्यूस की जा रही इस फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस बहादुरी, बलिदान और जज्बे की एक दमदार और बेबाक कहानी पेश करने का वादा करती है। फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका में नजर आएंगी।

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन के नाम दर्ज हैं ये 7 बड़े रिकॉर्ड्स, आज तक कोई एक्टर नहीं तोड़ पाया

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के नाम सिर्फ एक-दो नहीं, बल्कि 7 ऐसे रिकॉर्ड दर्ज हैं, जिन्हें आज तक कोई नहीं तोड़ पाया है। चलिए जानते हैं उन खास रिकॉर्ड्स के बारे में बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन आज जिस मुकाम पर हैं, अगले कई दशकों तक शायद ही कोई और इस मुकाम पर पहुंचे। वो 83 साल की उम्र में भी लगातार काम कर रहे हैं. उन्होंने अपने लंबे करियर में 200 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है. अमिताभ बच्चन के नाम सिर्फ एक-दो नहीं, बल्कि 7 ऐसे रिकॉर्ड दर्ज हैं, जिन्हें आज तक कोई नहीं तोड़ पाया है. आइए जानते हैं उन खास रिकॉर्ड्स के बारे में, जिनकी वजह से अमिताभ बच्चन को 'महानायक' का खिताब मिला। अमिताभ का नाम गिनीज बुक में दर्ज है. 2009 में आई फिल्म 'पा' के लिए बिग बी और उनके बेटे अभिषेक बच्चन ने ये अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम किया था। अमिताभ का नाम गिनीज बुक में दर्ज है. 2009 में आई फिल्म 'पा' के लिए बिग बी और उनके बेटे अभिषेक बच्चन ने ये अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम किया था।

अमिताभ का नाम गिनीज बुक में सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि सिंगिंग के लिए भी दर्ज है। उन्होंने 19 सिंगर्स के साथ मिलकर 'श्री हनुमान चालीसा' को अपनी आवाज दी थी।

अमिताभ का नाम गिनीज बुक में सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि सिंगिंग के लिए भी दर्ज है। उन्होंने 19 सिंगर्स के साथ मिलकर 'श्री हनुमान चालीसा' को अपनी आवाज दी थी।

अमिताभ के नाम बॉलीवुड में सबसे ज्यादा बार डबल रोल निभाने का रिकॉर्ड भी दर्ज है. 1983 में आई फिल्म 'महान' में अमिताभ ने ट्रिपल रोल निभाकर भी दर्शकों को हैरान कर दिया था।

अमिताभ के नाम बॉलीवुड में सबसे ज्यादा बार डबल रोल निभाने का रिकॉर्ड भी दर्ज है. 1983 में आई फिल्म 'महान' में अमिताभ ने ट्रिपल रोल निभाकर भी दर्शकों को हैरान कर दिया था।

अमिताभ के नाम एक और बड़ा रिकॉर्ड दर्ज है. वो फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में लीड एक्टर के तौर पर सबसे ज्यादा बार यानी 42 बार नॉमिनेट होने वाले एक्टर हैं. उन्होंने अपने करियर में अब तक 16 फिल्मफेयर अवॉर्ड और 4 नेशनल अवॉर्ड भी अपने नाम किए हैं।

अमिताभ के नाम एक और बड़ा रिकॉर्ड दर्ज है. वो फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में लीड एक्टर के तौर पर सबसे ज्यादा बार यानी 42 बार नॉमिनेट होने वाले एक्टर हैं. उन्होंने अपने करियर में अब तक 16 फिल्मफेयर अवॉर्ड और 4 नेशनल अवॉर्ड भी अपने नाम किए हैं।

बिग बी को 1999 में इइउ ठी६२ के एक ग्लोबल ऑनलाइन पोल में 'स्टार ऑफ द मिलेनियम' चुना गया था. इस दौरान उन्होंने चार्ली चैपलिन और मार्लन ब्रैंडो जैसे दिग्गज कलाकारों को पीछे छोड़ते हुए ये खास खिताब अपने नाम किया।

बिग बी को 1999 में BBC News के एक ग्लोबल ऑनलाइन पोल में 'स्टार ऑफ द मिलेनियम' चुना गया था. इस दौरान उन्होंने चार्ली चैपलिन और मार्लन ब्रैंडो जैसे दिग्गज कलाकारों को पीछे छोड़ते हुए ये खास खिताब अपने नाम किया।

सारा अली ने शादी को लेकर दिया बड़ा ब्यान, बोलीं- सोच-समझकर सही इंसान का इंतजार कर रही हूं...

हाल ही में सारा अली खान अपनी आने वाली मूवी पति पत्नी और वो दो को लेकर चर्चाओं में हैं। फिलहाल सारा अली खान अपनी आने वाली मूवी की प्रमोशन को लेकर काफी बिजी हैं। इसी इंटरव्यू के दौरान किसी ने उनसे शादी के बारे में पूछा तो सारा ने जवाब दिया कि मैंने अपने आस-पास बहुत से घर टूटते हुए देखे हैं इस वजह से अभी में शादी नहीं करना चाहती।

अभी शादी नहीं करना चाहती सारा : सारा अली खान ने अपने एक इंटरव्यू में बताया कि मैंने बहुत सी गलत शादियां देखीं हैं और बहुत से लोगों का घर टूटते हुए देखा है। इसलिए मैं अपनी लाइफ को लेकर कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहती। इसी के साथ सारा ने कहा कि कुछ लोग अकेलापन दूर करने के लिए शादी करते हैं लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं अकेली हूँ। अगर शादी करूंगी तो सही समय पर और सही इंसान से।

इसी के साथ उन्होंने अपने करियर को लेकर भी बात की। सारा ने कहा कि वो ज्यादा से ज्यादा अपना करियर बनाना चाहती हैं। वो अपनी लाइफ में किसी ऐसे व्यक्ति की एंट्री चाहती हैं जो उनको और उनके काम को पूरी तरह से समझे।

माता-पिता की वजह से नहीं करना चाहती जल्दी शादी : सैफ अली खान और अमृता सिंह का जब तलाक हुआ तब अमृता 33 साल की थी और सैफ 22 साल के। उस दौरान उनके दो बच्चे थे। अपने माता-पिता की शादी को देखते हुए वो अभी शादी करने से डरती हैं और अपनी जिंदगी में किसी खास व्यक्ति के आने का का वेट कर रही हैं।

नीतू कपूर के कमबैक से खुद को जोड़ पाती हूं, महिलाओं को मिलनी चाहिए ऐसी हिम्मत : रुबीना दिलैक

मुंबई । अभिनेत्री रुबीना दिलैक कई मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती नजर आती हैं। नीतू कपूर की फिल्मों में वापसी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि वह एक महिला, मां और कामकाजी व्यक्ति के रूप में नीतू कपूर की इस यात्रा से खुद को गहराई से जोड़ पाती हैं। रुबीना ने आईएएनएस से खास बातचीत में नीतू कपूर की हिम्मत और साहस की सराहना की। उन्होंने बताया, ह्लमैं नीतू कपूर से पूरी तरह से खुद को जोड़ पाती हूं। बेशक, वह सुंदरता और ताकत की मिसाल हैं और हमने सालों से यह देखा है।ह्व नीतू कपूर ने पति ऋषि कपूर के निधन के बाद दशकों बाद फिल्म इंडस्ट्री में वापसी की है। रुबीना ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महिलाओं को ठीक इसी तरह आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा, ह्लमहिलाओं को बिल्कुल इसी तरह आगे आना चाहिए, एक मिसाल कायम करनी चाहिए और उन दूसरी महिलाओं के लिए रास्ता बनाना चाहिए जिन्हें अभी भी इस बात का भरोसा नहीं है कि मां बनने के बाद या जीवन में आए बदलाव के बाद उन्हें काम पर वापस लौटना चाहिए या नहीं। रुबीना ने नीतू कपूर की उस बात का भी जिक्र किया जिसमें नीतू ने कहा था कि उनकी वापसी सिर्फ काम के लिए नहीं बल्कि यह देखने के लिए भी थी कि इतने सालों बाद भी कैमरे के सामने आत्मविश्वास और हिम्मत बाकी है या नहीं। रुबीना इसे बेहद प्रेरणादायक मानती हैं। रुबीना ने अपने पति अभिनव शुक्ला की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि अभिनव घर पर रहकर बच्चों की देखभाल कर रहे हैं ताकि वह अपने सपनों को पूरा कर सकें। रुबीना ने कहा, ह्लएक पुरुष के लिए अपने ईगो को किनारे रखकर यह कहना कि ह्यमैं घर पर रहूंगा, तुम जाओ और अपने सपनों को पूरा करोह्व इसके लिए बहुत हिम्मत चाहिए। अभिनव जानते हैं कि मैं अपने काम से कितना प्यार करती हूं।ह्व उन्होंने आगे कहा कि वे समाज की पुरानी सोच और रूढ़ियों को तोड़ रहे हैं। हम अपनी बेटियों को अलग मूल्य-प्रणाली देना चाहते हैं। जब लोग कहते हैं कि मर्द को इस तरह पेश आना चाहिए या औरत को इस तरह काम करना चाहिए तो हम कहते हैं- अब बहुत हो गया। हम उन बंदिशों को हटा पा रहे हैं। रुबीना ने जोर देकर कहा कि एक-दूसरे का साथ निभाना आसान नहीं है लेकिन कोशिश छोड़ नहीं देनी चाहिए। यही असली मर्द की पहचान है।

अफगानिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया का ऐलान आज, बुमराह को मिल सकता है आराम

» गुमराह को मिल सकता है आराम, देवदत्त पडिक्कल-अकीब नबी प्रिंस यादव पर भी नजरें

» छह जून से खेली जाएगी एक टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज

एजेंसी/मुबंईः अफगानिस्तान अगले महीने भारतीय दौरे पर आ रही है। उसे यहां छह जून से एक टेस्ट और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। इस सीरीज के खिलाफ भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान मंगलवार को होगा। गुवाहाटी में होने वाली सिलेक्शन कमेटी की बैठक में जसप्रीत बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया जा सकता है। साथ ही रोहित शर्मा की फिटनेस पर भी चर्चा होगी। देवदत्त पडिक्कल, आकिब नबी और प्रिंस यादव पर भी नजरें रहेंगी। सिलेक्शन कमेटी के मुताबिक बुमराह को टेस्ट और वनडे में साथ खिलाने की संभावना कम है।

उन्हें वनडे सीरीज से आराम दिया जा सकता है, ताकि उन्हें 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए फिट रखा जा सके। उनके मामले में टीम मैनेजमेंट कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। बुमराह की गैरमौजूदगी में मोहम्मद सिराज भारत के पेस अटैक को लीड कर सकते हैं। प्रसिद्ध कृष्णा का चयन भी तय माना जा रहा है। पीठ की समस्या से जूझ रहे हार्दिक पांड्या की उपलब्धता अब भी स्पष्ट नहीं है।

रोहित पर फैसला बाकी विराट खेलेंगे वनडेः रोहित शर्मा आईपील में मांसपेशियों की चोट से जूझते रहे हैं। वह आईपीएल में मुंबई के कई मैचों से बाहर रहे। ऐसे में सिलेक्टर्स उन्हें वनडे टीम में तभी शामिल करेंगे, जब वे पूरी तरह फिट होंगे। वहीं, शानदार फॉर्म में चल रहे विराट कोहली के सभी वनडे खेलने की संभावना है।

आज राजस्थान का खेल बिगाड़ुने उतरेगा लखनऊ शाम 7:30 से आमने-सामने होंगे रियान पराग-पंत

एजेंसी/ जयपुरः आईपीएल 2026 का 64वां मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मंगलवार को जयपुर में खेला जाएगा। राजस्थान के लिए ये मैच करो या मरो मुकाबला होने वाला है, क्योंकि राजस्थान प्वाइंट्स टेबल 12 अंकों के साथ छठे स्थान पर है और टीम को क्वॉलिफाई करने के लिए अपने बचे हुए दोनों मुकाबले जीतने ही होंगे। राजस्थान रॉयल्स की एक हार उसे लीग से बाहर का रास्ता दिखा सकती है। वहीं, लखनऊ की टीम पहले ही टूर्नामेंट से बाहर है और अब वो टीमों का खेल बिगाड़ रही है। एलएसजी अब आरआर का भी खेल बिगाड़ना चाहेगी। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम की

पिच आमतौर पर बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है। इस सीजन भी इस मैदान पर काफी हाई स्कोरिंग मुकाबले खेले गए हैं।

2026 में अब तक इस मैदान पर तीन मैच खेले गए और तीनों मैच में 200 से अधिक रन बोर्ड पर लगे हैं। इतना ही नहीं, इस पिच पर 200 प्लस का टारगेट भी सुरक्षित नहीं रहता है और दो बार 200 प्लस टारगेट का पीछा किया गया है। आईपीएल के इतिहास में राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच अब तक सात मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें आरआर ने पांच मैचों में जीत हासिल की है। वहीं, एलएसजी ने सिर्फ दो मैच जीते हैं।

भारत-नोर्वे के बीच 9 समझौते, तीन महत्वपूर्ण पहलों की भी घोषणा

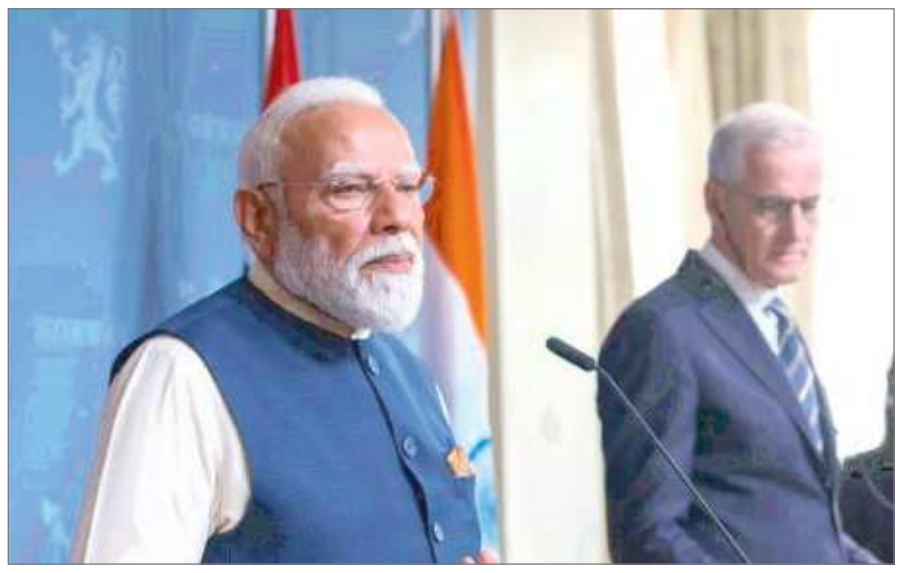

एजेंसी/ओस्लोः भारत और नॉर्वे ने द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देते हुए अपने संबंधों को ग्रीन स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप के स्तर तक उन्नत करने के साथ-साथ समुद्री सहयोग, हरित प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, डिजिटल विकास और वैज्ञानिक अनुसंधान सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से नौ समझौतों और तीन पहलों की घोषणा की है। दोनों देशों ने ग्रीन स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप के संबंध में एक संयुक्त वक्तव्य को अपनाया। नार्वे की दो दिन की यात्रा पर गये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोरे के बीच सोमवार को द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने समुद्री सहयोग, हरित प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, डिजिटल विकास और वैज्ञानिक अनुसंधान सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से अनेक समझौतों और पहलों की घोषणा की। नार्वे ने भारत की हिन्द प्रशांत महासागर पहल में शामिल होने की घोषणा की, जबकि भारत वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले नॉर शिपिंग कार्यक्रम में भारतीय मंडप के साथ भाग लेगा।

दोनों देशों के बीच सरकार-से-सरकार के स्तर पर तीन प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और नार्वे की अंतरिक्ष एजेंसी के बीच बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग और अन्वेषण में सहयोग के लिए रूपरेखा समझौता, भारत और नॉर्वे के विदेश मंत्रालयों के बीच डिजिटल विकास साझेदारी पर समझौता ज्ञापन तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग के लिए नॉर्वे के स्वास्थ्य एवं देखभाल सेवा मंत्रालय और भारत के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के बीच समझौता शामिल है।

व्यापार और संस्थागत सहयोग के तहत भी कई महत्वपूर्ण समझौतों को अंतिम रूप दिया गया। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और नॉर्वेजियन जियोटेक्निकल संस्थान के बीच सुरंग निर्माण, ढलान स्थिरता और क्षमता निर्माण से संबंधित विशेष परामर्श सेवाओं के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा भारत के वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग और नॉर्वे की अनुसंधान परिषद के बीच प्रौद्योगिकी सहयोग पर समझौता हुआ। वैज्ञानिक अनुसंधान और हरित प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत की वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद और नॉर्वे की सिंटेफ संस्था के बीच वर्ष 2026 से 2029 तक की गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए सहयोग समझौता किया गया। दोनों पक्षों ने समुद्री ऊर्जा, जिसमें अपतटीय पवन ऊर्जा भी शामिल है, पर संयुक्त कार्य कार्यक्रम के लिए एक परियोजना-विशिष्ट कार्यान्वयन समझौते पर भी हस्ताक्षर किए। इसके अलावा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद तथा वैज्ञानिक एवं नवाचार अनुसंधान अकादमी ने नॉर्वे के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साथ हरित परिवर्तन के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सहयोग पर संयुक्त आशय घोषणा को अपनाया। हैदराबाद स्थित सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान और नॉर्वे की एमराल्ड जियोमॉडलिंग एएस के बीच वैज्ञानिक और व्यावसायिक सहयोग के लिए भी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इन घोषणाओं और समझौतों को भारत और नॉर्वे के बीच हरित विकास, समुद्री सहयोग, स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान आधारित साझेदारी को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

चार दशक का लाल आतंक खत्म, शाह बोले, पांच साल में बस्तर बनेगा देश का सबसे विकसित संभाग

एजेंसी/ बस्तरः बस्तर के लिए आज एक नया सवेरा हुआ है। चार दशकों से लाल आतंक की जिस बेड़ी में बस्तर जकड़ा हुआ था, वह अब पूरी तरह टूट चुकी है। भारत के नक्शे पर बना रेड कॉरिडोर अब इतिहास बन चुका है। यह जीत उन जवानों के हौसले और इच्छाशक्ति की है, जिसका इंतजार पूरा देश वर्षों से कर रहा था। नक्सलवाद के खात्मे की पटकथा 21 जनवरी 2024 को लिखी गई थी। उस दिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नक्सल प्रभावित राज्यों के अफसरों के साथ एक अहम बैठक की थी. इस बैठक में उन्होंने संकल्प लिया था कि 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश से नक्सलवाद को जड़ से मिटाकर शांति स्थापित की जाएगी। नक्सलवाद की समाप्ति के बाद गृहमंत्री अमित शाह बस्तर के ह्यबादल अकादमीह्न पहुंचे।

यहां उन्होंने नक्सल पीड़ितों, शहीद परिवारों, समाज प्रमुखों और केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों से सीधी चर्चा की। उजर बस्तर कार्यक्रम में पीड़ित परिवारों ने अपना दर्द साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे अबूझमाड़ के जंगलों में उन्हें पुलिस मुखबिर होने के झूठे आरोप में प्रताड़ित किया जाता था। उनके परिजनों की हत्या कर दी गई और उन्हें हर बुनियादी सुविधा से वंचित रखा गया। कार्यक्रम में एक बड़ी घोषणा करते हुए अमित शाह ने कहा कि बस्तर की रक्षा के लिए तैनात 200 सुरक्षा कैंपों में से 70 कैंप अब सेवा डेरा के रूप में काम करेंगे।

प्रेस की आजादी पर सवाल उठाने वालों की विदेश मंत्रालय ने की बोलती बंद, अज्ञानी एनजीओ की खोल दी पोल

ओस्लो : भारत में प्रेस की आजादी और मानवाधिकारों को लेकर अक्सर पश्चिमी देश और कुछ संस्थाएं बेबुनियाद सवाल उठाती रही हैं, लेकिन अब भारत ने विदेशी जमीन पर ही ऐसे लोगों को करारा जवाब दिया है। नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक पत्रकार के साथ तीखी बहस में नॉर्वे के मीडिया और कुछ चुनिंदा गैर-सरकारी संगठनों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि अज्ञानी और नासमझ एनजीओ द्वारा छापी गई रिपोर्टों को पढ़कर लोग भारत के बारे में गलत धारणा बना लेते हैं और बिना सच्चाई जाने टिप्पणी करने लगते हैं।

भारत के विशाल मीडिया तंत्र की नहीं है कोई समझः भारतीय मीडिया की विशाल पहुंच और ताकत का जिक्र करते हुए सचिव सिबी जॉर्ज ने विदेशी पत्रकारों को आईना दिखा दिया। उन्होंने साफ कहा कि लोगों को भारत के विशाल आकार और यहां के मीडिया तंत्र का कोई अंदाजा ही नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अकेले राजधानी दिल्ली में ही अंग्रेजी, हिंदी और कई अन्य भाषाओं में कम से कम 200 टीवी चैनल काम कर रहे हैं, जहां रोज शाम को अनगिनत ब्रेकिंग न्यूज आती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोग बिना किसी जमीनी समझ और भारत के पैमाने को जाने बिना कुछ अज्ञानता से भरी एनजीओ की एक-दो रिपोर्ट पढ़ लेते हैं और भारत के इतने बड़े लोकतांत्रिक ढांचे पर बेतुके सवाल उठाने चले आते हैं।

मानवाधिकारों का सबसे बड़ा उदाहरण है भारत का लोकतंत्रः भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा पर जोर देते हुए विदेश मंत्रालय के सचिव ने कहा कि भारत का संविधान अपने सभी नागरिकों को मौलिक अधिकारों की पूरी गारंटी देता है और किसी भी उल्लंघन पर कानूनी उपाय भी उपलब्ध कराता है। महिलाओं के अधिकारों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि आजादी (1947) के समय से ही भारत ने अपनी महिलाओं को समान मतदान का अधिकार दिया है, जबकि दुनिया के कई देशों में महिलाओं को यह अधिकार भारत के कई दशकों बाद नसीब हुआ। उन्होंने कहा कि भारत समानता में गहराई से विश्वास करता है और अपनी मर्जी से सरकार बदलने व वोट देने का अधिकार ही लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का सबसे सशक्त उदाहरण है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है।

भारत में मीडिया पूरी तरह स्वतंत्र और बेखौफ : सिबी जॉर्ज ने अपनी बात का समापन करते हुए इस बात पर फिर से मुहर लगाई कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और यहां का मीडिया पूरी तरह से स्वतंत्र होकर अपना काम करता है। देश की आम जनता को अपनी बात रखने की पूरी आजादी मिली हुई है। उन्होंने दोटूक लहजे में यह कड़ा संदेश दिया कि भारत की मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था और इसका संविधान ही देश की सबसे बड़ी ताकत है और भारत सरकार इन लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

बंगाल में शुभेंदु सरकार का बड़ा फैसला, इमाम-पुजारियों को मिलने वाली सरकारी मदद बंद,ओबीसी लिस्ट भी होगी रद्द

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में कई बड़े और ऐतिहासिक फैसले लेकर राज्य की सियासत में हलचल तेज कर दी है। कैबिनेट बैठक में लिए गए दो सबसे बड़े फैसलों के तहत, राज्य में धार्मिक आधार पर दी जाने वाली तमाम सरकारी वित्तीय सहायता को आगामी जून महीने से पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। इसके साथ ही कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए राज्य की मौजूदा अन्य पिछड़ा वर्ग सूची को भी स्क्रैप (रद्द) करने का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने इस फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि अब ओबीसी कोटे की पात्रता तय करने के लिए एक नए पैनल का गठन किया जाएगा।

धार्मिक आधार पर दी जाने वाली सहायता पर लगी रोकः राज्य के सूचना और सांस्कृतिक मामले विभाग तथा अल्पसंख्यक मामले और मदरसा शिक्षा विभाग द्वारा धार्मिक वर्गीकरण के आधार पर चलाई जा रही सभी योजनाएं केवल इस महीने के अंत तक ही प्रभावी रहेंगी। आगामी 1 जून से इन सभी योजनाओं को पूरी तरह रोक दिया जाएगा और इस संबंध में बहुत जल्द अलग से आधिकारिक अधिसूचना जारी की जाएगी। सरकार का स्पष्ट मानना है कि कोई भी जनकल्याणकारी कार्यक्रम धार्मिक पहचान के आधार पर नहीं चलाया जाना चाहिए, बल्कि विकास का लाभ समाज के हर वर्ग को समान रूप से मिलना चाहिए।

पीएम मोदी और मंत्रियों का करीबी बताकर करोड़ों ऐंठने वाले जालसाज को मिली बेल, सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के बड़े मंत्रियों के साथ अपनी फर्जी (एडिटेड) तस्वीरें दिखाकर लोगों से करोड़ों रुपये ठगने वाले आरोपी मोहम्मद काशिफ को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। मनी लॉन्ड्रिंग (धन शोधन) के इस हाई-प्रोफाइल मामले में करीब तीन साल से जेल की हवा खा रहे काशिफ को सर्वोच्च अदालत ने सोमवार को जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इसके साथ ही इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को भी पलट दिया है, जिसमें उसकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया गया था।

तीन साल की हिरासत और कड़ी शर्तों पर मिली रिहाईः जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इस मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी के तीन साल से जेल में बंद होने का प्रमुखता से संज्ञान लिया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि इस मामले में अपराध की कथित आय 1.10 करोड़ रुपये है और अपीलकर्ता पहले ही लंबा समय हिरासत में बिता चुका है। सुनवाई के दौरान आरोपी काशिफ ने अदालत के सामने यह अंडरटेकिंग (वचन) दी है कि वह भविष्य में कभी भी किसी उच्च संवैधानिक या सरकारी अधिकारी के नाम का इस्तेमाल या दुरुपयोग नहीं करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी चेतावनी देते हुए साफ किया है कि यदि वह ट्रायल में सहयोग नहीं करता है या जमानत की शर्तों का उल्लंघन करता है, तो प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उसकी जमानत रद्द कराने के लिए तुरंत निचली अदालत का रुख कर सकता है।

फोटोशॉप के जरिए बिछाया था ठगी का जाल : प्रवर्तन निदेशालय की जांच में इस शातिर ठग के कारनामों का खुलासा हुआ था। ईडी के मुताबिक, काशिफ ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर पीएम मोदी और अन्य केंद्रीय मंत्रियों के साथ अपनी फोटोशॉप की हुई तस्वीरें पोस्ट की थीं। इसका मकसद आम लोगों के बीच यह भ्रम फैलाना था कि उसकी सत्ता के शीर्ष और सरकार के उच्च स्तर तक सीधी पहुंच है। इसी झूठे रसूख का फायदा उठाकर उसने लोगों को सरकारी विभागों में काम कराने, नौकरियां लगवाने और बड़े सरकारी ठेके दिलाने का झांसा दिया और करोड़ों रुपये ऐंठ लिए। अप्रैल 2023 में गौतमबुद्ध नगर के सूरजपुर में दर्ज एफआईआर के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की थी और उसके ठिकानों से 1.10 करोड़ रुपये की रिकवरी का दावा किया था।

ट्रायल में देरी का मिला सीधा फायदा: सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की ओर से जोरदार दलीलें पेश की गईं। आरोपी काशिफ की तरफ से अदालत में पेश हुए वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे ने दलील दी कि उनके मुवक्किल को मूल धोखाधड़ी के अपराध में पहले ही जमानत मिल चुकी है और मनी लॉन्ड्रिंग मामले के ट्रायल में अनावश्यक देरी हो रही है। उन्होंने कोर्ट को बताया कि नवंबर 2023 में आरोप तय होने के बावजूद अगस्त 2024 में जाकर पहले गवाह की गवाही हो सकी। वहीं, ईडी का पक्ष रखते हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने जमानत का कड़ा विरोध करते हुए दलील दी कि ट्रायल में कोई अनुचित देरी नहीं हुई है। इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी ईडी की दलीलों को मान लिया था, लेकिन अब सर्वोच्च अदालत ने ट्रायल की गति और जेल में बिताए गए समय को देखते हुए उसे रिहा करने का आदेश दे दिया है।

नागरिकता के लिए पासपोर्ट की पूरी डिटेल देना हुआ अनिवार्य, गृह मंत्रालय ने नियमों में किया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली : गृह मंत्रालय (एमएचए) ने नागरिकता नियम, 2009 में महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए नई अधिसूचना जारी की है। इस संशोधन के तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत में नागरिकता के लिए आवेदन करने वाले व्यक्तियों को अब अपने पासपोर्ट (वैध या समाप्त) का पूरा विवरण देना अनिवार्य कर दिया गया है।

गृह मंत्रालय द्वारा 18 मई 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार, इन तीन देशों के आवेदकों को नागरिकता आवेदन पत्र में पासपोर्ट नंबर, जारी करने की तारीख, जारी करने का स्थान और समाप्ति तिथि जैसी जानकारी स्पष्ट रूप से देनी होगी। साथ ही, आवेदक को यह घोषणा भी करनी होगी कि उसके पास इन देशों का कोई वैध या समाप्त हो चुका पासपोर्ट है या नहीं।

अधिसूचना में नया पैराग्राफ (3ए) जोड़ा गया है, जिसके तहत आवेदक को यह लिखित सहमति देनी होगी कि वह भारतीय नागरिकता मिलने के 15 दिनों के भीतर अपना पासपोर्ट संबंधित डाक अधीक्षक या वरिष्ठ अधीक्षक को सौंप देगा। यह प्रावधान पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के उन नागरिकों पर लागू होगा जो भारतीय नागरिकता प्राप्त करना चाहते हैं।

गृह मंत्रालय का यह कदम सुरक्षा एजेंसियों की लंबे समय से चली आ रही मांग के अनुरूप माना जा रहा है। अधिकारियों का मानना है कि इससे फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नागरिकता हासिल करने की कोशिशों पर प्रभावी अंकुश लगेगा और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी।

यह संशोधन नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 18 के तहत जारी किया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि नए नियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ही प्रभावी हो जाएंगे। गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव गया प्रसाद द्वारा जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि यह बदलाव पहले से चल रही प्रक्रिया को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने के लिए वर्ष 2019 में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लाया गया था। नए नियम सीएए के तहत आने वाले आवेदनों की जांच प्रक्रिया को और सख्त बनाने में मददगार साबित हो सकते हैं।

अमेरिकी सरकार और अडानी एंटरप्राइजेज के बीच हुआ 2,600 करोड़ का समझौता, आपराधिक केस भी होगा बंद

वाशिंगटन : अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने सोमवार को एक बड़ा एलान करते हुए बताया कि उसने भारत की दिग्गज कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के साथ 275 मिलियन डॉलर (करीब 2,600 करोड़) के समझौते पर सहमति जताई है। यह समझौता ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के 32 स्पष्ट उल्लंघनों से जुड़ी संभावित नागरिक देनदारी के मामलों को पूरी तरह सुलझाने के लिए किया गया है।

दुबई के कारोबारी के जरिए खरीदी थी प्रतिबंधित ईरानी गैसः ट्रेजरी विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) द्वारा जारी किए गए एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अडानी एंटरप्राइजेज ने दुबई के एक व्यापारी से तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की कुछ खेप खरीदी थीं। इस सौदे के दौरान कागजों पर यह दावा किया गया था कि यह गैस ओमान और इराक से आ रही है, लेकिन अमेरिकी जांच में सामने आया कि यह पूरी खेप वास्तव में ईरान से

मंगवाई गई थी। चूंकि अमेरिका ने ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा रखे हैं, इसलिए इस गैस डील को अमेरिकी नियमों का सीधा उल्लंघन माना गया।

अमेरिकी कोर्ट से गौतम अडानी को मिली बड़ी राहतः इस बड़े जुर्माने के बीच अडानी समूह के लिए राहत की खबरें भी सामने आ रही हैं। अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग ने भारतीय अरबपति गौतम अडानी के खिलाफ चल रहे एक सिविल मुकदमे को भी अलग से सुलझा लिया है। पिछले हफ्ते सामने आए अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, भारतीय सरकारी अधिकारियों को कथित तौर पर रिश्वत देने की योजना से जुड़े इस सिविल मामले को दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से खत्म करने का फैसला किया है। हालांकि, इस समझौते को अभी अमेरिकी अदालत की अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है।

10 अरब डॉलर के निवेश के वादे के बाद खत्म होंगे आपराधिक मामलेः इस पूरे कानूनी विवाद के बीच अडानी समूह के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी अमेरिकी न्याय विभाग से आ रही है। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिकी न्याय विभाग अब गौतम अडानी के खिलाफ लगे धोखाधड़ी के गंभीर आपराधिक आरोपों को भी वापस लेने के बेहद करीब पहुंच गया है। इस मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए बताया कि यह नरमी तब देखने को मिल रही है जब गौतम अडानी ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में 10 बिलियन डॉलर (लगभग 95,000 करोड़) का भारी-भरकम निवेश करने और हजारों नौकरियां पैदा करने का बड़ा वादा किया है। यदि न्याय विभाग इन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर देता है, तो अमेरिकी अदालतों में अडानी ग्रुप पर मंडरा रहे सभी बड़े कानूनी संकट पूरी तरह खत्म हो जाएंगे।

रुपए में गिरावट जारी, डॉलर के मुकाबले ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबईः कच्चे तेल में जारी तेजी के कारण अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में शुरूआती कारोबार में रुपया सोमवार को 44 पैसे टूट गया और पहली बार एक डॉलर 96.25 रुपए का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 17 पैसे की गिरावट में 95.81 रुपए प्रति डॉलर पर रही थी। बीच कारोबार में इसका निचला स्तर 96.14 रुपए प्रति डॉलर रहा था। रुपए पर आज शुरू से ही दबाव रहा। यह 38 पैसे नीचे 96.18 रुपए प्रति डॉलर पर खुला। फिलहाल यह 96.25 रुपए प्रति डॉलर तक टूट चुका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में तेजी रही। कच्चे तेल का मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.8 फीसदी की बढ़त के साथ 111 डॉलर प्रति बैरल हो गया। इससे रुपए पर दबाव रहा। भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। इसलिए कच्चे तेल के दाम बढ़ने से देश का आयात बिल बढ़ने की आशंका है जिस पर भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च करनी होगी।

न्यूज IN ब्रीफ

कोल्हान विश्वविद्यालय में संताली भाषा के प्रश्न पत्र ओल चिकी लिपि में प्रकाशित होंगे

जमशेदपुर : ऑल इंडिया संताली राइटर एसोसिएशन, आदिवासी सोसियो एजुकेशनल एंड कल्चरल एसोसिएशन (असेका) झारखंड, फोरम फॉर संताली लैंग्वेज एंड एजुकेशन राइट्स और ऑल संताल इंटेलेक्चुअल एंड एकेडिशियंस एसोसिएशन के एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने कोल्हान विश्वविद्यालय प्रशासन से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के कुलपति और कुलसचिव (रजिस्ट्रार) के नाम एक सूत्री मांग पत्र सौंपा। कुलपति की अनुपस्थिति के कारण यह मांग पत्र उनके सचिव को सुपुर्द किया गया, जिसमें संताली भाषा के प्रश्न पत्रों को ओल चिकी लिपि में ही तैयार और प्रकाशित करने की पुरजोर मांग की गई है। मांग पत्र सौंपने के पश्चात प्रतिनिधिमंडल ने कोल्हान विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष (डीन) तपन कुमार खंडारा से मुलाकात की। इस दौरान संताली भाषा और लिपि के संरक्षण व परीक्षाओं में इसके क्रियान्वयन को लेकर बेहद सौहार्दपूर्ण माहौल में विस्तृत चर्चा हुई।

प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए डीन तपन कुमार खंडारा ने उन्हें पूर्ण आश्वस्त किया कि आगामी परीक्षाओं में संताली भाषा का प्रश्न पत्र ओल चिकी लिपि में ही प्रकाशित किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के इस सकारात्मक रुख से भाषा प्रेमियों और छात्रों में हर्ष का माहौल है। इस महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से प्रोफेसर लखाई बास्के, प्रोफेसर बाबूराम सोरेन, असेका के महासचिव श्री शंकर सोरेन और ऑल इंडिया संताली राइटर एसोसिएशन के सहायक महासचिव मानसिंह मांझी शामिल थे। सभी सदस्यों ने भाषा की अस्मिता और छात्रों के भविष्य के लिए इस कदम को बेहद जरूरी बताया।

हृदयानंद मिश्र ने अशोक पासवान के निधन पर जताया शोक

मेदिनीनगर : पलामू जिला कांग्रेस दलित प्रकोष्ठ के अध्यक्ष स्वर्गीय अिशोक पासवान जी के असामयिक निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं स्तब्ध करने वाला है। उनके निधन से कांग्रेस परिवार ने एक समर्पित, कर्मठ एवं संघर्षशील साथी को खो दिया है।

स्वर्गीय अशोक पासवान जी ने समाज के वंचित, दलित एवं कमजोर वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य किया। वे संगठन के प्रति पूर्णतः समर्पित थे तथा सामाजिक न्याय, समानता और जनसेवा के मूल्यों के प्रति उनकी निष्ठा सदैव प्रेरणादायी रहेगी। पलामू जिले में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिसे लंबे समय तक याद किया जाएगा।

मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों एवं समर्थकों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें। इस दुःख की घड़ी में समस्त कांग्रेस परिवार शोक संतप्त परिवार के साथ खड़ा है।

गढ़वा एसडीओ की बड़ी कार्रवाई, अनियमितता के आरोप में पेट्रोल पंप सील

गढ़वा : जिले में गैलन में पेट्रोल देने के नाम पर हो रही थी अवैध वसूली। वीडियो वायरल और हंगामे के बाद एसडीओ ने जांच की। वायरल वीडियो की जांच के बाद पेट्रोल पंप सील कर दिया गया है। अब पेट्रोल पंप मालिक कार्रवाई के घेरे में आ गए हैं। मामला मेराल थाना क्षेत्र के लातदाग एनएच-39 झारखंड-यूपी सड़क की है, जहां पेट्रोल पंप पर गैलन में पेट्रोल-डीजल देने के नाम पर अतिरिक्त पैसे वसूलने का मामला सामने आया है। मामले के बाद एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

सदर एसडीओ संजय कुमार ने खुद पूरे मामले की जांच की। जांच में मामला सही पाए जाने के बाद पेट्रोल पंप को सील कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो में पेट्रोल पंप कर्मियों पर आरोप लगा था कि गैलन में डीजल देने के बदले निर्धारित राशि से करीब 200 रुपये अधिक की मांग की जा रही थी। वायरल वीडियो सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आया और पूरे मामले की जांच कराई गई। जांच में आरोप सही पाया गया।

मामला सही पाए जाने के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए पेट्रोल पंप को सील कर दिया है। प्रशासन ने स्पष्ट कहा है कि उपभोक्ताओं से अवैध वसूली और नियमों के उल्लंघन को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस कार्रवाई के बाद इलाके के अन्य पेट्रोल पंप संचालकों में भी हड़कंप मचा हुआ है।

उपायुक्त ने मानगो फ्लाईओवर निर्माण का किया निरीक्षण

जमशेदपुर : उपायुक्त राजीव रंजन ने मानगो में निमार्णाधीन फ्लाईओवर परियोजना का स्थल निरीक्षण सोमवार को किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की वर्तमान प्रगति, तकनीकी पहलुओं तथा समय-सीमा के अनुरूप कार्य निष्पादन की विस्तृत समीक्षा की। उपायुक्त ने निर्माण एजेंसी एवं पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक सह अधीक्षण अभियंता दीपक सहाय से निर्माण की अब तक की प्रगति की जानकारी ली। साथ ही उपयोग में लाई जा रही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, यातायात प्रबंधन की व्यवस्था तथा सुरक्षा मानकों के अनुपालन की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कार्य की गति को और अधिक तेज करने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिये।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कहा कि मानगो ओवरब्रिज क्षेत्रीय यातायात व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसके पूरा होने से शहर पर यातायात के दबाव में उल्लेखनीय कमी आएगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान आमजन को न्यूनतम असुविधा हो, इसके लिए यातायात डायवर्जन एवं सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण स्थल पर नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। काम में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान धालभूम के एसडीएम अर्नव मिश्रा, डीटीओ धनंजय एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

मंडल कारा चाईबासा में हुई 'मुलाकात से न्याय तक' विधिक सहायता डेस्क की शुरूआत

बंदियों के परिजनों को मिलेगी निःशुल्क विधिक सेवायें, ले सकेंगे कानूनी जानकारी : सचिव

ज्योति पाठक

चाईबासा : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डी एल एस ए चाईबासा मौहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में प्राधिकार के तत्वावधान में स्थानीय मंडल कारा परिसर के मुलाकाती कक्ष के समीप मुलाकात विधिक सहायता डेस्क का संचालन प्राधिकार के द्वारा आरंभ किया गया।

मुलाकात से न्याय तक : इसके संबंध में और.जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि यह हेल्प डेस्क कारा के बाहर स्थित है और बंदियों से मिलने के लिए आने वाले उनके परिजनों को निःशुल्क विधिक सहायता और सेवायें प्रदान करेगा, इस डेस्क के माध्यम से मुलाकातीयों को होने वाली समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जाएगा, वे बंदियों के मामले की स्तिथि की जानकारी ले सकेंगे, बंदियों की किसी भी परेशानी को भी परिजनों के द्वारा संज्ञान में लाया जा सकता है, जिन बंदियों को अधिवक्ता की आवश्यकता होगी उनको निशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराया जाएगा, इससे मुलाकात से न्याय तक की परिकल्पना साकार हो सकती है, उन्होंने आगे बताया की इस डेस्क में लीगल एड डिफेंस कौन्सिल के प्रमुख सुरेंद्र प्रसाद, उप प्रमुख सुरेंद्र प्रसाद दास, सहायक रत्नेश कुमार और पूजा कुमारी तथा अधिकार मित्र सूरज ठाकुर और रेणु देवी क्रमवार उपस्थित रहेंगे। किसी भी बंदी को जानकारी या अधिवक्ता के अभाव में न्याय से वंचित नहीं रखा जा सकता, प्राधिकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने का है और इसके लिए वह सजग और सुलभ है। इस कार्यक्रम के दौरान कारा के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

वरीय आईपीएस अधिकारी सुरेंद्र कुमार झा बीएसएफ के डीआईजी बनाए गए

बिनय मिश्रा

भारतीय पुलिस सेवा 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी एवं वर्तमान समय में कार्मिक डीआईजी सुरेन्द्र कुमार झा बीएस एफ के डीआईजी बनाए गए हैं इस संदर्भ में अधिसूचना की जानकारी भी झारखंड सरकार को दे दी गई है। विदित हो कि श्री झा झारखंड के उन सफलतम आईपीएस अधिकारियों में शामिल हैं जिनकी उपलब्धि और कामयाबी उनकी सशक्त पहचान है।

श्री झा की सर्वप्रथम पदस्थापना स्थल एसडीपीओ सह सहायक पुलिस अधीक्षक चक्रधरपुर रही तत्पश्चात श्री झा ग्रामीण एसपी रांची, चतरा के पुलिस अधीक्षक तथा धनबाद के एसपी रहे। धनबाद में जब एस एसपी पद सृजित हुए तब श्री झा धनबाद के प्रथम एस एसपी बनाए गए। इसके पश्चात वे कोडरमा, गिरीडीह के भी लोकप्रिय एसपी रहे इसके पश्चात उन्हें रांची का वरीय पुलिस अधीक्षक भी बनाया गया। इनकी पदोन्नति होने के पश्चात इन्हें बोकारो का डीआई बनाया गया तथा वर्तमान समय में श्री झा कार्मिक डीआईजी के रूप पदस्थापित हैं तथा केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने के साथ ही उन्हें बीएस एफ का डीआईजी बनाया गया है।

धनबाद में फिर भू-धंसान, चपेट में आए तीन घर

धनबादः जिला के केंदुआडीह गैस रिसाव और भू-धंसान प्रभावित इलाके में एक बार फिर जमीन धंसने की घटना सामने आई है। केंदुआ गोधर 6 नंबर स्थित हवा चानक के पास अचानक तेज आवाज के साथ बड़ा गोफ बन गया, जिसकी चपेट में तीन घर आ गए। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और प्रभावित परिवारों ने आनन-फानन में घर का सामान बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर रखा।

तीन घरों में आई दरारें : स्थानीय लोगों के अनुसार, सोमवार को अचानक जोरदार धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। जब लोग बाहर निकले तो देखा कि जमीन का एक बड़ा हिस्सा धंस गया है और वहां गहरा गोफ बन गया है। भू-धंसान की वजह से पास के तीन घरों में दरारें पड़ गईं। किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है लेकिन घरों में रहने वाले परिवारों के बीच दहशत का माहौल है।

गैस रिसाव और भू-धंसान की जद में है इलाका : प्रभावित परिवारों का कहना है कि यह इलाका लंबे समय से गैस रिसाव और भू-धंसान की जद में है। उन्होंने कई बार बीसीसीएल प्रबंधन से सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास की मांग की लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लोगों का आरोप है कि हर बार आश्वासन मिलता है लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है।

स्थिति का आकलन करने के बाद की जाएगी कार्रवाईः सीओ

घटना के बाद स्थानीय प्रशासन को सूचना दी गई। सीओ विकास आनंद ने बताया कि भू-धंसान की जानकारी मिली है और पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट ली जा रही है। स्थिति का आकलन करने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल प्रभावित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं और किसी बड़े हादसे की आशंका से सहमे हुए हैं।

67 लाख रुपये गबन में दो साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

जमशेदपुर : परसूडीह पुलिस ने 67 लाख 59 हजार रुपये के गबन और धोखाधड़ी में कार्रवाई करते हुए दो वर्ष से फरार आरोपी को ओडिशा से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी लेजारों बारीक को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने बताया कि मामले में परसूडीह थाना में 10 मार्च 2024 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोपी लेजारों ओडिशा के बारगढ़ जिला स्थित बीजेपुर थाना क्षेत्र के पुटुका गांव का निवासी है। पुलिस के अनुसार, महेश एडिबल ऑयल (सलोनी सरसों तेल) के मालिक राजेश अग्रवाल ने वर्ष 2024 में कंपनी के हिसाब-किताब की जांच कराई थी।जांच में पता चला कि वर्ष 2010 से कंपनी में कार्यरत लेजारों बारीक बाजार से ग्राहकों से रुपये की वसूली करता था, लेकिन पूरी राशि कंपनी में जमा नहीं करता था। वह प्रबंधन को यह कहकर गुमराह करता रहा कि संबंधित ग्राहकों से भुगतान नहीं मिला है। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी ने वर्ष 2022 से 2024 के बीच लगातार हेराफेरी कर कुल 67 लाख 59 हजार का गबन किया। मामला सामने आने के बाद कंपनी प्रबंधन की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद आरोपी फरार हो गया था। पुलिस ने तकनीकी जांच और गुप्त सूचना पर आरोपी की तलाश जारी रखी। इस क्रम में ओडिशा में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि गबन की राशि कहां खर्च की गई और मामले में किसी अन्य की संलिप्तता तो नहीं है।

उत्तरी छोटा गोविंदपुर पंचायत में आधार शिविर लगा, छोटे बच्चों को प्राथमिकता

जमशेदपुर : प्रखंड के उत्तरी छोटा गोविंदपुर पंचायत में आधार शिविर लगाया गया है। शिविर खास तौर से छोटे बच्चे के लिए लगाया गया है। जिनको भी आधार कार्ड बनना है, वे पंचायत समिति सदस्य अंजय कुमार सिंह उर्फ भोला से संपर्क कर सकते हैं। शिविर पंचायत भवन में बन रहा है। इसके अलावा जिनको भी पंचायत सचिव से काम है, वे बुधवार को 11 बजे से आकर संपर्क कर सकते हैं। यह जानकारी पंचायत समिति सदस्य अंजय कुमार सिंह उर्फ भोला ने विज्ञप्ति जारी कर दी है।

डीसी द्वारा चितरपुर प्रखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण अनियमितताओं को लेकर उपायुक्त ने दिखाई सख्ती

संवाददाता

रामगढ़ः डीसी ऋतुराज ने सोमवार को चितरपुर प्रखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान प्रशासनिक अव्यवस्था, अभिलेखों के खराब संधारण और कार्यालय परिसर में फैली गंदगी पर कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की। उपायुक्त ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय तथा बाल विकास परियोजना कार्यालय के सभी अधिकारियों और कर्मियों का अगले आदेश तक वेतन बंद करने का निर्देश दिया। इस कार्रवाई से जिले के प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है।

औचक निरीक्षण में खुली कार्यालय व्यवस्था की पोल

रामगढ़ डीसी ऋतुराज ने सबसे पहले चितरपुर में आयोजित राजस्व शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

इस दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविर में प्राप्त अधिकतम आवेदनों का निपटारा मौके पर ही किया जाए।

साथ ही शेष मामलों का निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान दाखिल-खारिज से संबंधित प्रमाण पत्र भी लाभुकों के बीच वितरित किए गए।

अभिलेख बेतरतीब, सफाई व्यवस्था बदहाल

राजस्व शिविर के बाद उपायुक्त ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय और बाल विकास परियोजना कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण में कई गंभीर कमियां सामने आईं। महत्वपूर्ण पंजियों और अभिलेखों का संधारण अत्यंत असंतोषजनक पाया गया। दस्तावेजों का रख-रखाव निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं था और कार्यालय परिसर में साफ-सफाई की स्थिति भी खराब मिली।

इन खामियों पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए उपायुक्त ने कहा कि कार्यालय व्यवस्था में सुधार को लेकर पूर्व में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे लेकिन उनका अनुपालन नहीं किया गया। इसे गंभीर प्रशासनिक लापरवाही मानते हुए उन्होंने तत्काल प्रभाव से सभी अधिकारियों और कर्मियों का वेतन अगले आदेश तक रोकने का निर्देश जारी किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राजस्व सेवाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी ढंग से पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एक सप्ताह की मोहलत, नहीं सुधरे तो विभागीय कार्रवाई

डीसी ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि एक सप्ताह के भीतर सभी कमियों को दूर कर कार्यालय व्यवस्था को मानकों के अनुरूप बनाया जाए। यदि निर्धारित समयावधि में सुधार नहीं हुआ, तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासनिक महकमे में मचा हड़कंप

उपायुक्त की इस सख्त कार्रवाई को प्रशासनिक जवाबदेही और कार्य संस्कृति में सुधार की दिशा में बड़ा संदेश माना जा रहा है। इससे स्पष्ट हो गया है कि सरकारी कार्यालयों में लापरवाही, अव्यवस्था और जनहित के कार्यों में शिथिलता अब किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस निरीक्षण के दौरान भूमि सुधार उप समाहर्ता दीप्ति प्रियंका कुजूर, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।